वर्ष : 34 ▸ अंक :27 ▸ पृष्ठ : 8 ▸ मुंबई, शुक्रवार, 4 अप्रैल 2025 ▸ RNI: MAHHIN/49994/91 ▸ मूल्य : 3 रुपए ▸ epaper.dobajedopahar.com ▸ संपादक : अरुण लाल

अक्षय कुमार ने किया 'केसरी चैप्टर 3' का एलान

▸ पेज -7

DBD दो बजे दोपहर

पत्रकारिता पावर नहीं रिस्पांसिबिलिटी है

भारत विस्तारवाद में नहीं विकास में विश्वास करता है : मोदी

▸ पेज - 8

न्यूज़ ब्रीफ

रेलवे का कमाल, एक साल में बनाए 7,134 कोच

नई दिल्ली। भारतीय रेलवे ने वित्त वर्ष 2024-25 में 7,134 कोच बनाकर एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर हासिल किया है। रिपोर्ट के मुताबिक, यह पिछले वर्ष के 6,541 उत्पादन से 9 प्रतिशत की वृद्धि को दर्शाता है। इसमें आम लोगों की जरूरतों को पूरा करने वाले 4,601 गैर एसी कोचों के उत्पादन पर विशेष जोर दिया गया है। जानकारी के अनुसार, चेन्नई स्थित इंटीग्रल कोच फैक्ट्री ने वर्ष 2024-25 के लिए अपने पिछले उत्पादन रिकॉर्ड को पार करते हुए 3,007 कोच बनाए हैं। वहीं कपूरथला के रेल कोच फैक्टरी ने 2,102 कोच और रायबरेली के मॉडर्न कोच फैक्टरी ने 2,025 कोच बनाए हैं।

आईसीयू में आग, 66 बच्चे बाल-बाल बचे

नासिक। नासिक जिला अस्पताल की नवजात शिशु गहन चिकित्सा इकाई (आईसीयू) में गुरुवार को दोपहर में अचानक आग लगने से हड़कंप मच गया। अस्पताल स्टाफ ने तत्काल आईसीयू में भर्ती सभी 66 नवजात शिशुओं को सुरक्षित अन्य कमरे में स्थानांतरित कर दिया, जिससे यहां कोई अप्रिय घटना नहीं हो पाई। घटना की जानकारी मिलते ही फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची और आग पर काबू पा लिया है।

रेवंत रेड्डी को 'सुप्रीम' फटकार

नई दिल्ली। तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी को उनके बयान पर सुप्रीम कोर्ट से फटकार लगी है। गुरुवार को सुप्रीम कोर्ट में BRS के 10 बागी विधायकों की अयोग्यता वाली याचिका पर सुनवाई के दौरान कोर्ट ने मुख्यमंत्री के 26 मार्च के बयान पर नाराजगी जताई, जिसमें उन्होंने विधानसभा में कहा था कि राज्य में कोई भी उपचुनाव नहीं होने वाले हैं। जस्टिस बी. आर. गवई और जस्टिस ऑगस्टिन जॉर्ज मसीह की बेंच ने कहा कि नेताओं को संयमित बयान देना चाहिए। कोर्ट ने कहा, हमें नेताओं के बयानों से कोई फर्क नहीं पड़ता, लेकिन जैसे हम लोकतंत्र के अन्य स्तंभों का सम्मान करते हैं, नेताओं से भी यही अपेक्षा रखते हैं। मुख्यमंत्री को अपने शब्दों में संतुलन रखना चाहिए।

कुएं की जहरीली गैस से 8 की मौत

खंडवा। मध्यप्रदेश के खंडवा जिले में गणगौर पर्व के दौरान एक बड़ा हादसा हो गया। इसमे आठ लोगों की मौत हो गई है। यहां गणगौर विसर्जन के पूर्व एक पुराने कुएं की सफाई करने उतरे एक कर्मचारी को बचाने के क्रम में एक-एक करके आठ लोग दलदल में फंस गए। कुएं की जहरीली गैस ने सभी आठों लोगों की जान ले ली। घटना इन्दौर-इच्छापुर राष्ट्रीय राजमार्ग पर हुई है।

एक्शन मोड़ में सीएम फडणवीस

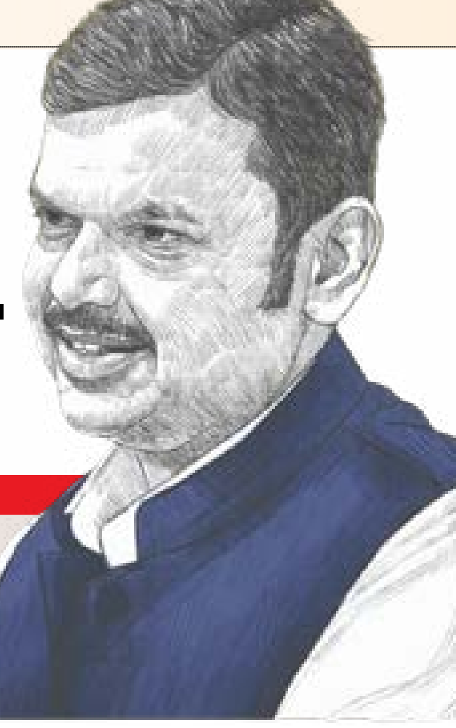

- 22 विभागों के 100 दिनों की कार्य योजना की समीक्षा
- भौतिक सुविधाओं का पता लगाने स्कूलों की होगी जियो टैगिंग
- सड़क सुरक्षा के लिए लागू होगी आईटीएमएस प्रणाली

सड़क हादसों को रोकने आईटीएमएस

फडणवीस ने कहा कि राज्य में सड़कों पर होने वाले हादसों को रोकने के लिए एकात्मिक परिवहन प्रबंधन प्रणाली (आईटीएमएस) कार्यान्वित करें। इस प्रणाली के माध्यम से परिवहन नियमों का उल्लंघन प्रभावी रूप से रोकें। हादसे वाले स्थलों का मरम्मत काम किया जाए।

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

राज्य के सरकारी विभागों के सभी स्कूलों में पीने का पानी, शौचालय आदि भौतिक सुविधाओं का जियो टैगिंग करें। नामचीन स्कूलों की वर्तमान स्थिति के बारे में विभाग पड़ताल करें। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने इस बारे में निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि शिक्षा का अधिकार कानून में संशोधन किया जाए। आरटीई के तहत स्कूलों में प्रवेश देते समय सरकारी स्कूलों को प्राथमिकता दी जाए। गुरुवार को मुख्यमंत्री ने राज्य अतिथिगृह सह्याद्री में राज्य के 22 विभागों के 100 दिनों की कार्य योजना की समीक्षा की। बैठक में उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे, उपमुख्यमंत्री अजित पवार समेत संबंधित विभाग के मंत्री और राज्य मंत्री मौजूद थे। मुख्यमंत्री ने सभी सरकारी विभागों को 100 दिनों की कार्य योजना के कामों को 1 मई के दिन सरकारी वेबसाइट पर अपलोड करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि जिला योजना निधि से प्रत्येक सरकारी कार्यालय की इमारतों की सौर ऊर्जीकरण करें। सभी सरकारी इमारतों का सौर ऊर्जीकरण करने वाली कंपनी को अगले पांच साल के प्रबंधन की जिम्मेदारी दी जाए। इमारतों का सौर पैनल स्वच्छ रखें। फडणवीस ने कहा कि सरकार 7.5 हॉर्स पावर तक सौर ऊर्जा पर आधारित कृषि पंपों को अनुदान देती है।

मुंबई में इमारतों की निर्माण के लिए लागू करें बीपीएमएस

मुंबई मनपा क्षेत्र में इमारतों के निर्माण कार्य के लिए सभी प्रक्रिया ऑनलाइन की जाए। इशके लिए इमारत योजना प्रबंधन प्रणाली (बीपीएमएस) को प्रभावी रूप से कार्यान्वित करें। इससे मुंबई के वैश्विक दर्जे में सुधार करने में और मदद होगी। विकास अधिकारी हस्तांतरण प्रक्रिया में ऑनलाइन सुविधा दी जाए। इसके लिए इलेक्ट्रॉनिक प्लैटफॉर्म ई-टीडीआर शुरू करें।

राज्य के 22 विभागों ने 44 प्रतिशत मुद्दों पर काम पूरा

बैठक में 22 विभागों के 100 दिनों की कार्य योजना की समीक्षा की गई। इसमें 22 विभागों ने 44 प्रतिशत मुद्दों पर काम पूरा कर लिया है। 36 प्रतिशत मुद्दों पर काम अंतिम चरण में हैं जो निश्चित अवधि में पूरा होगा। लेकिन 19 प्रतिशत मुद्दों पर काम अभी अधूरा है। जिसको 30 अप्रैल तक पूरा करने का समय दिया गया है।

'वक्फ के बाद अगली बारी मंदिर ट्रस्ट की'

- उद्धव ठाकरे का केंद्र पर हमला
- उद्धव ठाकरे पर भड़के डिप्टी सीएम शिंदे

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री और शिवसेना (यूबीटी) के अध्यक्ष उद्धव ठाकरे ने गुरुवार को वक्फ संशोधन विधेयक को लेकर केंद्र सरकार को आडे. हाथ लिया। उन्होंने दावा किया कि फिलहाल वक्फ बोर्ड की जमीन पर केंद्र सरकार की नजर है और अगली बारी मंदिरों, गुरुद्वारों और गिरजाघरों की जमीन की हो सकती है। उद्धव ठाकरे ने लोकसभा में वक्फ (संशोधन) विधेयक को लेकर संवाददाता सम्मेलन में कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के कपटपूर्ण रुख का उनकी पार्टी विरोध करती है। वास्तव में भाजपा की मंशा वक्फ की जमीन छीनना और अपने उद्योगपति मित्रों को देने की चाल है।

आपस में लड़ाने की बीजेपी की साजिश

उन्होंने कहा कि यह संयोग है या योजनाबद्ध संयोग। मुझे नहीं पता कि भाजपा क्या करती है? वे कब कहते हैं कि वे औरंगजेब की कब्र खोदेंगे और उनके लोग कुदाल और फावड़े लेकर जाते हैं और फिर कहते हैं, 'ओह, मिट्टी वापस डाल दो।' उद्धव ठाकरे ने आलोचना करते हुए कहा, "फिर वे उसे मारने जाते हैं, वे उनसे कहते हैं कि अपने हथियार एक तरफ रख दो और मोदी को उपहार के रूप में ले लो। भाजपा ने लोगों को आपस में लड़ाने के लिए ऐसा कर रही है।"

ओवैसी की भाषा बोल रहे हैं उद्धव ठाकरे : डीसीएम शिंदे

उद्धव ठाकरे पर शिवसेना अध्यक्ष व राज्य के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने जमकर निशाना साधा है। शिंदे ने यहां तक कहा कि उद्धव ठाकरे अब असदुद्दीन ओवैसी की भाषा बोल रहे है। वक्फ बिल का विरोध करने बाद उनकी पार्टी में लोग उद्धव से बेहद ही खफा है। लोकसभा में बिल का विरोध करने वाले उनके सांसद भी खुश नहीं है। उन्होंने हिंदुत्व के मूल्यों को त्याग दिया है। गुरुवार को पत्रकारों से बात करते हुए उपमुख्यमंत्री शिंदे ने कहा कि वक्फ बोर्ड संशोधन बिल को विरोध कर उद्धव ने बालासाहेब ठाकरे के विचारों से पूरी तरह से दूरी बना ली है। उनका असली चेहरा जनता के सामने आ गया है। निश्चित ही आने वाले दिनों में जनता उद्धव को सबक सिखाएंगी। ऐसी विरोधी नीतियों के चलते ही उद्धव की पार्टी के अंदर असंतोष और बढ़ रहा है। उनके निजी स्वार्थ के कारण ही पार्टी की यह हाल है। उपमुख्यमंत्री शिंदे ने कहा कि उनकी पार्टी के लोग राहुल गांधी के साथ ज्यादा समय गुजार रहे हैं इसलिए उनके नेताओं और उद्धव को बार-बार मोहम्मद अली जिन्ना की याद बार-बार आ रही है।

डंकी रूट से अमेरिका भेजने का मामला

क्राइम ब्रांच को एयरपोर्ट पर मिलीं कई सुरक्षा खामियां

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

फर्जी वीजा और पासपोर्ट के जरिए 80 युवकों को 'डंकी रूट' से अमेरिका भेजने के मामले में मुंबई क्राइम ब्रांच ने एयरपोर्ट की सुरक्षा व्यवस्था में कई खामियां उजागर की हैं। जांच के दौरान एयरपोर्ट पर प्रवेश से लेकर इमिग्रेशन जांच तक कई गंभीर खामियां सामने आई हैं। सूत्रों के मुताबिक, क्राइम ब्रांच को संदेह है कि इस रैकेट में एयरपोर्ट के कुछ विभागों के कर्मचारी भी शामिल हो सकते हैं। इस मामले में एक विस्तृत रिपोर्ट एयरपोर्ट अथॉरिटी और अन्य संबंधित विभागों को सौंपी गई है, जिसमें इन सुरक्षा चूकों को तत्काल सुधारने का सुझाव दिया गया है।

सुरक्षा में मिली प्रमुख खामियां

▸ **सीआईएसएफ के पास वीजा सत्यापन की सुविधा नहीं**

सुरक्षा जांच के दौरान अवैध यात्री अपना मूल पासपोर्ट, मूल टिकट और नकली वीजा दिखाते थे। चूंकि सीआईएसएफ के पास वीजा की प्रामाणिकता जांचने की कोई प्रणाली नहीं है, इसलिए वे इन दस्तावेजों को वैध मानकर यात्रियों को प्रवेश की अनुमति दे देते थे।

▸ **एयरलाइनों के पास पासपोर्ट विवरण तक पूरी पहुंच नहीं**

अवैध यात्री एयरलाइंस के बैगेज काउंटर पर पीसी पासपोर्ट (फोटो बदला हुआ असली पासपोर्ट) प्रस्तुत करते थे। इसमें एक वैध वीजा और मूल टिकट होता था, जिससे एयरलाइंस को जालसाजी का पता नहीं चलता था। एयरलाइंस यूवी लाइट से पासपोर्ट की जांच करती है, लेकिन चूंकि पासपोर्ट असली होता था और सिर्फ फोटो बदला जाता था, इसलिए फर्जीवाड़ा पकड़ में नहीं आता था।

▸ **इमिग्रेशन के पास वीजा और बोर्डिंग पास की वैधता जांचने की व्यवस्था नहीं**

इमिग्रेशन अधिकारी पासपोर्ट की प्रामाणिकता की जांच कर सकते हैं, लेकिन उनके पास यह पुष्टि करने का कोई सिस्टम नहीं है कि वीजा और बोर्डिंग पास वैध हैं या नहीं। इस कमजोरी का फायदा उठाकर आरोपी बिना किसी परेशानी के फर्जी दस्तावेजों के जरिए यात्रा कर रहे थे।

बिश्नोई गिरोह के पांच बदमाश गिरफ्तार

▸▸ सेलिब्रिटी को निशाना बनाने की थी साजिश, पिस्तौल बरामद

मुंबई। मुंबई पुलिस ने बिश्नोई गिरोह से जुड़े पांच बदमाशों को अंधेरी इलाके से गिरफ्तार किया है। पुलिस को आशंका है कि वे किसी सेलिब्रिटी को निशाना बनाने की साजिश रच रहे थे। आरोपियों के पास से एक देसी पिस्तौल भी बरामद हुई है।

गुप्त सूचना पर हुई कार्रवाई

मुंबई क्राइम ब्रांच की एंटी-एक्सटॉर्शन सेल ने गुप्त सूचना के आधार पर बुधवार को अंधेरी से पांच बदमाशों – सुमित दिलावर, श्रेयांश यादव, देवेंद्र सक्सेना, विवेक साहा और विकास ठाकुर – को गिरफ्तार किया। पुलिस अधिकारी के मुताबिक, गिरफ्तार बदमाश उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, पंजाब और हरियाणा सहित विभिन्न राज्यों से मुंबई पहुंचे थे।

शिवकृपानंद स्वामी हुए बरी

मुंबई। बॉम्बे हाईकोर्ट ने ने एक स्वयंभू धर्मगुरु को आपराधिक मामले से मुक्त करने के फैसले को बरकरार रखते हुए कहा कि महाराष्ट्र के 'काला जादू अधिनियम' का उद्देश्य हानिकारक प्रथाओं पर अंकुश लगाना है, लेकिन यह 'वैध धार्मिक प्रथाओं' पर रोक नहीं लगाता। अपने उपदेशों के माध्यम से काले जादू को बढ़ावा देने के आरोपी गुजरात के रमेश मोदक उर्फ शिवकृपानंद स्वामी को निचली अदालत ने बरी कर दिया था। इसके बाद शिकायतकर्ता ने इस फैसले को बॉम्बे हाईकोर्ट में चुनौती दी थी।

बाल गृहों की बदहाली

हाई कोर्ट ने राज्य सरकार से मांगा जवाब

एमडीसी के लिए बनाए गए 94 बाल गृह चालू न होने पर कोर्ट ने लगाई फटकार

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

बॉम्बे हाई कोर्ट ने राज्य सरकार से पूछा है कि मानसिक रूप से कमजोर बच्चों (एमडीसी) के लिए बनाए गए 94 बाल गृह अब तक चालू क्यों नहीं किए गए हैं। अदालत ने सरकार से इन बाल गृहों के पुनरुद्धार के लिए उठाए गए कदमों का विवरण मांगा है।

हलफनामा दायर करने के निर्देश

मुख्य न्यायाधीश आलोक अराधे और जस्टिस एम.एस. कार्णिक की पीठ ने राज्य सरकार को एमडीसी गृहों की स्थिति, उपयोग समिति, दिए गए अनुदान और स्वास्थ्य बीमा योजना से संबंधित कार्यों की जानकारी के साथ हलफनामा दायर करने का आदेश दिया है। अदालत ने पूछा कि क्या सरकार ने राज्य में एमडीसी गृहों की सही संख्या का पता लगाया है और क्या इस संबंध में बाल संरक्षण के लिए समन्वय समिति या अन्य विशेषज्ञों से परामर्श लिया गया है। अदालत ने किशोर न्याय अधिनियम, 2015 की धारा 54 के तहत गठित निरीक्षण समिति का विवरण भी मांगा है।

अनुदान और स्वास्थ्य बीमा योजना पर भी सवाल

पीठ ने सरकार से पूछा कि एमडीसी गृहों को दिए जाने वाले अनुदान की राशि कितनी है और प्रोटेम उपाय के रूप में अब तक कितना भुगतान किया गया है। साथ ही, निरामया स्वास्थ्य बीमा योजना के तहत किए गए कार्यों का भी ब्योरा देने को कहा गया है। जनहित याचिका में 31 दिसंबर 2012 को मुंबई के मानखुर्द स्थित एमडीसी होम में कथित पार्टी का जिक्र करते हुए बाल गृहों की चौंकाने वाली स्थिति को उजागर किया गया था।

चार हफ्तों में रिपोर्ट सौंपने के आदेश

राज्य के अतिरिक्त सरकारी वकील (एजीपी) अभय पटकी ने कोर्ट को बताया कि सरकार बच्चों के कल्याण के लिए आवश्यक कदम उठाने को तैयार है। इसके बाद अदालत ने दिव्यांग कल्याण विभाग के आयुक्त को चार हफ्तों के भीतर एक व्यापक हलफनामा दायर करने का निर्देश दिया है।

अब प्रभावितों को पुनर्वास के बजाय मिलेगा मुआवजा

एमएमआरडीए की वित्तीय ऐच्छिक मुआवजा नीति को मंजूरी

दीपक पवार | मुंबई

मुंबई महानगर क्षेत्र विकास प्राधिकरण (एमएमआरडीए) ने परियोजना प्रभावित लोगों (पीएपी) के पुनर्वसन को तेज करने के लिए नई वित्तीय ऐच्छिक मुआवजा नीति लागू करने का फैसला किया है। यह निर्णय 159वीं प्राधिकरण बैठक में लिया गया, जिसकी अध्यक्षता उपमुख्यमंत्री और एमएमआरडीए अध्यक्ष एकनाथ शिंदे ने की। इस नीति से मेट्रो रेल, शिवड़ी-वर्ली एलिवेटेड कॉरिडोर जैसी महत्वपूर्ण शहरी परियोजनाओं को गति मिलने की उम्मीद है।

"आर्थिक मुआवजा नीति के जरिये से हम मुंबई के इंफ्रास्ट्रक्चर में परिवर्तन की दिशा में एक बड़ा कदम उठा रहे हैं। यह प्रगतिशील दृष्टिकोण न केवल कनेक्टिविटी बेहतर बनाएगा, बल्कि महाराष्ट्र की अर्थव्यवस्था और जनता के कल्याण के लिए दीर्घकालिक लाभ भी सुनिश्चित करेगा।

- **देवेंद्र फडणवीस,** मुख्यमंत्री

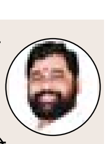

"यह नीति प्रभावी पुनर्वास को संभव बनाएगी, जिससे महत्वपूर्ण इंफ्रास्ट्रक्चर परियोजनाओं में होने वाली अनावश्यक देरी कम होगी।

- **एकनाथ शिंदे**, अध्यक्ष एमएमआरडीए

मुआवजा मॉडल में बदलाव

पारंपरिक टेनमेंट आधारित पुनर्वसन की जगह अब ऐच्छिक वित्तीय मुआवजा मॉडल लागू किया जाएगा। इसके तहत पीएपी को पुनर्वसन कॉलोनियों में स्थानांतरित होने के बजाय सीधे आर्थिक सहायता लेने का विकल्प मिलेगा। यह नीति मुंबई शहरी परिवहन परियोजना (एमयूटीपी) की प्रमुख योजनाओं में लागू की जाएगी।

मुआवजा दर तय

नीति के अनुसार आर्थिक मुआवजा प्रभावित व्यक्ति की श्रेणी और स्थान के अनुसार अलग-अलग होगा। श्रेणी 1 में वैध और अधिकृत संरचनाएं के लिए अधिकतम क्षेत्रफल 1,292 वर्गफुट निर्धारित है। प्रभावितों को मुआवजा रेडी रेकनर दर का 100 प्रतिशत दिया जाएगा। श्रेणी 2 में झुग्गी और अतिक्रमण के अंतर्गत आने वाले परियोजना प्रभावितों के लिए न्यूनतम 25 लाख रुपए और अधिकतम मुआवजा 40 लाख रुपए तय किया गया है। यह मुआवजा रेडी रेकनर दर का 0.75% होगा।

गैर आवासीय परियोजना प्रभावित

ग्राउंड-फ्लोर के वाणिज्यिक स्थानों के लिए मुआवजा रेडी रेकनर दर के आधार पर दिया जाएगा। अधिकतम 225 वर्गफुट तक के वैध और अधिकृत संरचना धारकों को मुआवजा रेडी रेकनर दर का 100 प्रतिशत दिया जाएगा, जबकि झुग्गी और अतिक्रमण की श्रेणी में आने वालों को मुआवजा रेडी रेकनर दर का 0.75% मिलेगा।

भिवंडी की ऐतिहासिक दगड़ी स्कूल प्रशासनिक उपेक्षा की शिकार

डीबीडी संवाददाता | भिवंडी

भिवंडी शहर की 130 वर्ष पुरानी ऐतिहासिक धरोहर 'दगड़ी स्कूल' (पत्थर स्कूल) प्रशासनिक उपेक्षा के कारण जर्जर हो चुकी है। इस ऐतिहासिक विद्यालय में शिवसेना प्रमुख स्व. बालासाहेब ठाकरे ने भी शिक्षा ग्रहण की थी, लेकिन वर्तमान में भवन की उचित मरम्मत न होने के कारण इसे शैक्षिक सामग्री के गोदाम में तब्दील कर दिया गया है, जिससे स्थानीय नागरिकों और पूर्व छात्रों में भारी रोष व्याप्त है। पूर्व नगरसेवक अरुण राउत ने मनपा आयुक्त अनमोल सागर को ज्ञापन सौंपकर गोदाम को हटाकर स्कूल की मरम्मत कर पुनः प्राथमिक विद्यालय या प्रशासनिक कार्यालय शुरू करने की मांग की है।

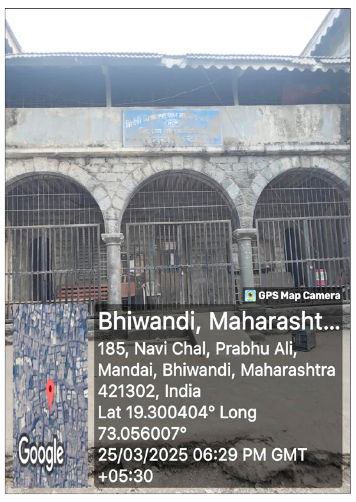

"पूर्व नगरसेवक अरुण राउत ने बताया कि भिवंडी मनपा के गठन के बाद इस पत्थर स्कूल की ऐतिहासिक इमारत में मनपा शिक्षा बोर्ड का कार्यालय खोला। इस कार्यालय के साथ-साथ शिक्षा बोर्ड के अध्यक्ष, प्रशासनिक अधिकारी और शिक्षा अधिकारी के कार्यालय भी थे। इसलिए इस भवन में एक बार फिर शिक्षा बोर्ड का कार्यालय होना चाहिए।

– अरुण राउत, पूर्व पार्षद (कांग्रेस) भिवंडी महानगरपालिका

"भिवंडी मनपा के इस ऐतिहासिक पत्थर स्कूल को निर्माण विभाग ने खतरनाक घोषित कर दिया है।साथ ही मनपा के पास इसके मरम्मत अथवा इस स्थल पर नया भवन बनाने के लिए धन नहीं है। इसलिए सरकार से इस फंड के लिए अनुरोध किया गया है।हालांकि इस संदर्भ में कई बार संपर्क करने की कोशिश के बावजूद मनपा आयुक्त अनमोल सागर ने कॉल नहीं उठाया।

– नितिन पाटिल, प्रशासनिक अधिकारी शिक्षा विभाग, भिवंडी नगर निगम

इतिहास और महत्व

नगरपालिका की स्थापना के बाद, 130 साल पहले प्रभुअली क्षेत्र में सार्वजनिक दान के माध्यम से पत्थर से निर्मित यह एक मंजिला स्कूल इमारत बनाई गई थी। यह शहर का पहला स्कूल था, जहां से कई प्रतिष्ठित व्यक्तियों ने शिक्षा प्राप्त की थी। पूर्व नगरसेवक अरुण राउत ने बताया कि उस समय इस स्कूल में सातवीं कक्षा तक पढ़े छात्र शिक्षक बनकर सरकारी स्कूलों में भर्ती होते थे। इस स्कूल में बालासाहेब ठाकरे ने चौथी कक्षा तक पढ़ाई की थी। इसके अलावा, कई छात्र यहां से पढ़कर विदेशों में उच्च शिक्षा के लिए भी गए। इतिहास को देखते हुए, यह स्कूल स्थानीय नागरिकों के लिए एक धरोहर है। यहां कई राजनीतिक रैलियां और मशहूर हस्तियों की शादियां भी आयोजित की जा चुकी हैं। लेकिन, अब यह स्कूल प्रशासनिक अनदेखी के कारण जर्जर अवस्था में पहुंच गया है।

मनपा प्रशासन पर लापरवाही के आरोप

पूर्व नगरसेवक ने कहा कि समय पर मरम्मत न होने के कारण स्कूल भवन खतरनाक घोषित कर दिया गया। इसके बाद, स्कूल की कक्षाओं को अन्य स्थानों पर स्थानांतरित कर दिया गया और ऐतिहासिक इमारत को शैक्षिक सामग्री के भंडारण के लिए गोदाम में बदल दिया गया। पूर्व नगरसेवक अरुण राउत ने प्रशासन पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि ₹स्थानीय प्रशासन और जनप्रतिनिधियों का कर्तव्य है कि वे विरासत स्थलों को संरक्षित करें, लेकिन मनपा अधिकारियों ने जानबूझकर इस ऐतिहासिक इमारत की अनदेखी की है।₹

पानी चोरी पर दूसरे दिन भी चला ठाणे मनपा का अभियान

डीबीडी संवाददाता | ठाणे

ठाणे नगर निगम (TMC) ने पानी चोरी के खिलाफ सख्त अभियान चलाते हुए दिवा और मुंब्रा में दूसरे दिन 27 अनधिकृत पानी कनेक्शन काट दिए। पहले दिन 29 कनेक्शन हटाए गए थे। इसके अलावा, अनाधिकृत टैंकरों से पानी भरने के दो मामले दर्ज किए गए हैं।

जल आपूर्ति विभाग ने गठित की टीमें

ठाणे मनपा के जल आपूर्ति विभाग ने अनधिकृत जल कनेक्शनों और अवैध टैंकर फिलिंग स्टेशनों को हटाने के लिए विशेष टीमें बनाई हैं। अभियान के तहत कल्याण फाटा से वाई जंक्शन तक 14 दुकानों और स्टॉलों के अवैध जल कनेक्शन काटे गए। वहीं, 10 अवैध घरेलू कनेक्शन भी हटाए गए।

दिवा-मुंब्रा में 27 अनधिकृत कनेक्शन कटे

मुंब्रा और अगासन गांव में बड़ी कार्रवाई

वाई जंक्शन से मुंब्रा-ग्लोबल नाला और अगासन गांव तक 13 अवैध आवासीय जल कनेक्शन खत्म किए गए। अगासन गांव में 6 पानी कनेक्शन और 4 टैंकर प्वाइंट हटाए गए, जबकि 6 पंप जब्त कर लिए गए। इस कार्रवाई के तहत तीन अनधिकृत टैंकर फिलिंग स्टेशन नष्ट कर दिए गए। उपनगरीय अभियंता विनोद पवार ने बताया कि इस दौरान कुल पांच पंप जब्त किए गए।

मनपा आयुक्त के निर्देश पर सख्त कार्रवाई

ठाणे मनपा आयुक्त सौरभ राव ने अवैध जल कनेक्शनों के खिलाफ सख्त कार्रवाई के आदेश दिए हैं। उनके निर्देशों के तहत अतिरिक्त आयुक्त प्रशांत रोडे और अभियंता प्रशांत सोनागरा के मार्गदर्शन में यह अभियान चलाया गया। मुंब्रा-दिवा वार्ड समिति के अतिक्रमण और जल आपूर्ति विभाग ने संयुक्त रूप से इस कार्रवाई को अंजाम दिया।

57 हजार के गहने चोरी कर प्रेमी संग फरार हुई युवती, मामला दर्ज

डीबीडी संवाददाता | भिवंडी

अंजूर फाटा स्थित चर्णीपाडा इलाके में एक युवती के अपने ही घर से गहने चुराकर प्रेमी के साथ फरार होने का मामला सामने आया है। घटना शुक्रवार सुबह की है, लेकिन इसकी शिकायत तीन दिन बाद मंगलवार को नारपोली पुलिस स्टेशन में दर्ज कराई गई।

शिकायतकर्ता उषा शिवकुमार भगत (36) ने पुलिस को बताया कि उनकी 18 वर्षीय बेटी तनिषा शिवकुमार भगत ने अपने प्रेमी के साथ मिलकर घर के कपाट में रखे

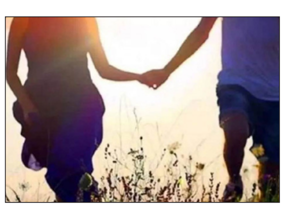

57 हजार रुपये कीमत के आभूषण चुरा लिए और दोनों फरार हो गए। पुलिस ने तनिषा और उसके 20 वर्षीय प्रेमी मोहम्मद कैफ खान (निवासी – पड़घा, बोरीवली) के खिलाफ बीएनएस की धारा 305 और 3(5) के तहत मामला दर्ज किया है।

65 अवैध इमारतों का मामला फिर गरमाया

कोर्ट में अवमानना याचिका दायर करने की चेतावनी

डीबीडी संवाददाता | कल्याण

हाईकोर्ट के निर्देशों के बावजूद कल्याण-डोंबिवली नगर निगम (केडीएमसी) ने अवैध इमारतों के खिलाफ अब तक कोई कार्रवाई नहीं की है। इससे 65 अवैध इमारतों का मामला फिर से गरमाने की संभावना है। याचिकाकर्ताओं ने इस संबंध में नगर विकास विभाग

के प्रधान सचिव को नोटिस जारी किया है। कल्याण-डोंबिवली नगरपालिका क्षेत्र में भू-माफियाओं ने फर्जी दस्तावेजों के आधार पर 65 अवैध इमारतें खड़ी कर घर खरीदारों को धोखा दिया। इससे सरकार को करोड़ों रुपये के राजस्व का नुकसान हुआ है। याचिकाकर्ताओं ने इन इमारतों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है।

हाईकोर्ट के निर्देशों की अनदेखी

हाईकोर्ट ने केडीएमसी को निर्माण कार्यों की पारदर्शिता बढ़ाने के निर्देश दिए थे, जिनमें नई निर्माण परियोजनाओं की विस्तृत जानकारी सार्वजनिक करना, निर्माण परमिट को 48 घंटे के भीतर वेबसाइट पर अपलोड करना, महारेरा और नगर पालिका के बीच एक संयुक्त वेबसाइट बनाना, बीपीएमएस ऑनलाइन प्रणाली के माध्यम से अनुमति आवेदन स्वीकार करना शामिल है। हालांकि, कोर्ट के इन आदेशों का अब तक पालन नहीं हुआ है।

याचिकाकर्ताओं की चेतावनी

याचिकाकर्ता संदीप पाटिल ने कहा कि प्रशासन अवैध निर्माणों को हटाने में उदासीन है। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर अगले सात दिनों में उचित जवाब नहीं मिला, तो वे कोर्ट में अवमानना याचिका दायर करेंगे।

11.8 लाख रुपये का एमडी ड्रग्स बरामद

डीबीडी संवाददाता | विरार

मीरा-भायंदर, वसई-विरार पुलिस आयुक्तालय के अंतर्गत एंटी नारकोटिक्स सेल ने वसई पश्चिम से एक 21 वर्षीय अपराधी को गिरफ्तार कर लाखों रुपये की एमडी (मेफेड्रोन) ड्रग्स बरामद की है। आरोपी पर पहले से कई आपराधिक मामले दर्ज हैं।

मिली जानकारी के अनुसार, 3 अप्रैल की मध्य रात्रि में एंटी नारकोटिक्स सेल की टीम वसई पुलिस स्टेशन क्षेत्र में गश्त कर

रही थी। इस दौरान पुलिस ने वसई गांव के कैथोलिक बैंक के पास एक युवक को संदिग्ध रूप से घूमते हुए पाया। तलाशी लेने पर उसके पास से 59.5 ग्राम एमडी ड्रग्स, जिसकी कीमत 11,80,000 रुपये आंकी गई है, और 10,000 रुपये का एक मोबाइल फोन बरामद हुआ।

पहले से दर्ज हैं आपराधिक मामले

गिरफ्तार आरोपी वसई पुलिस स्टेशन के रिकॉर्ड में हिस्ट्रीशीटर है। उसके खिलाफ चोरी और चोरी के प्रयास के चार मामले पहले से दर्ज हैं। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस अधिनियम 1985 के तहत मामला दर्ज कर आगे की जांच शुरू कर दी है।

म्हाडा आज 672 निवासियों को घर सौंपेगी

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

म्हाडा द्वारा गोरेगांव पश्चिम स्थित सिद्धार्थनगर (पत्राचाल) पुनर्विकास परियोजना के तहत 672 निवासियों को आज उनके नए घरों का कब्जा दिया जाएगा। यह पुनर्वास प्रकल्प 240 करोड़ रुपये की लागत से पूरा हुआ है। म्हाडा के मुंबई बोर्ड के मुख्य अधिकारी मिलिंद बोरिकर के अनुसार, इन फ्लैटों का आवंटन कम्प्यूटरीकृत लॉटरी प्रणाली से किया जाएगा। यह लॉटरी आज सुबह 11 बजे गोरेगांव पश्चिम के सरदार वल्लभभाई ऑडिटोरियम में आयोजित होगी। 1 अप्रैल को परियोजना को अधिभोग प्रमाण पत्र मिल चुका है। 129 करोड़ रुपये का किराया म्हाडा द्वारा जनवरी 2018 से पात्र निवासियों को दिया गया। प्रत्येक फ्लैट के लिए 686 पार्किंग स्थल बनाए गए हैं, जबकि जरूरत 412 पार्किंग स्थलों की थी। फ्लैटों का आवंटन आरएटी (रैंडम एलोकेशन ऑफ टेनमेंट) प्रणाली से होगा। 4 अप्रैल को फ्लैटों की पुष्टि के बाद 7 अप्रैल से फ्लैट की चाबियां और कब्जे के पत्र वितरित किए जाएंगे।

सोलापुर मंडल ने 837.29 करोड़ रुपये का राजस्व किया अर्जित

डीबीडी संवाददाता | सोलापुर

मध्य रेल के सोलापुर मंडल ने वित्त वर्ष 2024-25 में 837.29 करोड़ रुपये का प्रभावशाली राजस्व अर्जित किया, जो उसकी परिचालन दक्षता और वाणिज्यिक पहलों की सफलता को दर्शाता है। मंडल के इस उत्कृष्ट प्रदर्शन का श्रेय यात्री अनुभव को बेहतर बनाने, माल ढुलाई सेवाओं को अनुकूलित करने और अन्य वाणिज्यिक गतिविधियों को मजबूत करने को जाता है।

राजस्व की मुख्य श्रेणियां

- यात्री राजस्व : 378.20 करोड़ रुपये (1.84 करोड़ यात्राएं)
- माल ढुलाई राजस्व : 421.56 करोड़ रुपये
- अन्य कोचिंग राजस्व : 30.67 करोड़ रुपये
- टिकट जांच से आय : 11.83 करोड़ रुपये
- पार्सल और सामान राजस्व : 3.22 करोड़ रुपये

वाणिज्यिक राजस्व में भी बढ़त

वाणिज्यिक राजस्व में भी वृद्धि दर्ज की गई है, जिसमें विविध वाणिज्यिक राजस्व 6.86 करोड़ रुपये, वाणिज्यिक प्रचार 2.02 करोड़ रुपये, खानपान सेवाएं 1.57 करोड़ रुपये और पार्किंग राजस्व 1.16 करोड़ रुपये शामिल हैं।

728.53 किलोमीटर नेटवर्क को सेवाएं

सोलापुर मंडल भारतीय रेल नेटवर्क में 728.53 रूट किलोमीटर में फैला है और 65 स्टेशनों को कवर करता है। यह महाराष्ट्र के सोलापुर, पुणे, सांगली, धाराशिव और लातूर जिलों के साथ-साथ कर्नाटक के कलबुर्गी जिले के कुछ हिस्सों को सेवाएं प्रदान करता है।

मोबाइल गेम के प्रतिबंध से नाराज 10वीं के छात्र ने की आत्महत्या

डीबीडी संवाददाता | अंबरनाथ

नेवाली गांव में एक 16 वर्षीय छात्र द्वारा मोबाइल गेम खेलने पर प्रतिबंध लगाए जाने से नाराज होकर आत्महत्या करने की चौंकाने वाली घटना सामने आई है। मृतक छात्र अमन साहू 10वीं कक्षा का विद्यार्थी था। अमन दिनभर 'बैटल ग्राउंड' नामक मोबाइल गेम खेलता था। 9वीं पास करने के बाद जब वह 10वीं में गया, तो उसके माता-पिता ने उसकी पढ़ाई पर ध्यान देने के लिए उसे अतिरिक्त ट्यूशन कक्षाओं में भेजा। इसके चलते उन्होंने उसका मोबाइल छीन लिया, जिससे वह नाराज हो गया। गुरुवार सुबह, जब घर पर कोई नहीं था, तो अमन ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना की जानकारी मिलते ही हिललाइन पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए उल्हासनगर सेंट्रल अस्पताल भेज दिया। पुलिस ने इस मामले में अचानक मौत का मामला दर्ज किया है।

रेलवे ट्रैक पर दो हादसों में दो युवकों की मौत

डीबीडी संवाददाता | डोंबिवली

कोपर-दिवा रेलवे लाइन पर दो अलग-अलग घटनाओं में दो युवकों की मौत हो गई। इनमें से एक मृतक की पहचान हो गई है, जबकि दूसरे की शिनाख्त नहीं हो सकी है। डोंबिवली लोहमार्ग पुलिस स्टेशन के वरिष्ठ निरीक्षक किरण उंदरे ने बताया कि दोनों घटनाएं अलग-अलग समय और स्थान पर हुईं। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

पहली घटना: दोपहर करीब 2:30 बजे जूनी डोंबिवली निवासी सोमनाथ जानकर (30) कोपर-दिवा रेलवे ट्रैक पर लोकल ट्रेन से गिर गए, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई।

दूसरी घटना: दोपहर करीब 12:30 बजे एक अज्ञात व्यक्ति की आकस्मिक मृत्यु हो गई। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मृतक की पहचान के प्रयास जारी हैं।

अंबेडकर जयंती पर मुख्यमंत्री फडणवीस ने किया पोस्टर अनावरण

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

भारत रत्न डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर की जयंती के उपलक्ष्य में आयोजित सेवा एवं सुविधा समीक्षा बैठक में मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने एक विशेष पोस्टर का अनावरण किया। इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और अजीत पवार भी मौजूद रहे। बैठक में विभिन्न संगठनों और दलों के प्रतिनिधि शामिल हुए, जिनमें आरपीआई के राष्ट्रीय महासचिव अविनाश गिरकर, भाई गिरकर, भारतीय बौद्ध महासभा के महेंद्र साल्वे, भीकाजी कांबले, नागसेन कांबले, श्रमिक नेता रमेश जाधव, प्रतीक कांबले और

प्रदीप कांबले सहित कई गणमान्य उपस्थित थे। बैठक में बृहन्मुंबई नगर निगम (BMC) आयुक्त द्वारा इसी तरह की एक बैठक आयोजित करने का सुझाव दिया गया। इसके अलावा, इंदु मिल में डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर की प्रतिमा में आई खराबी को लेकर भी चर्चा हुई। राम सुतार के बेटे अनिल सुतार द्वारा दी गई प्रतिमा की तस्वीर संघर्ष समिति ने मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्रियों को सौंपी। मुख्यमंत्री फडणवीस ने आश्वासन दिया कि जल्द ही सभी प्रमुख कार्यकर्ताओं के साथ बैठक आयोजित कर प्रतिमा की खामियों को दूर किया जाएगा।

पश्चिम रेलवे चलाएगी दो समर स्पेशल ट्रेनें

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

पश्चिम रेलवे द्वारा यात्रियों की सुविधा तथा स्पेशल रूप से ग्रीष्मकाल के दौरान उनकी यात्रा मांग को पूरा करने के उद्देश्य से विभिन्न गंतव्यों के लिए स्पेशल किराये पर दो स्पेशल ट्रेनें चलाने का निर्णय लिया गया है। ट्रेन संख्या 09029 बांद्रा टर्मिनस - बनारस सुपरफास्ट स्पेशल प्रत्येक गुरुवार को 04.30 बजे बांद्रा टर्मिनस से प्रस्थान करेगी और अगले दिन 06.30 बजे बनारस पहुंचेगी। यह ट्रेन 10 अप्रैल से 26 जून, 2025 तक चलेगी। इसी तरह, ट्रेन संख्या 09030 बनारस - बांद्रा टर्मिनस सुपरफास्ट स्पेशल प्रत्येक शुक्रवार को 09.30 बजे बनारस से प्रस्थान करेगी और अगले दिन 12.15 बजे बांद्रा टर्मिनस पहुंचेगी। यह ट्रेन 11 अप्रैल से 27 जून, 2025 तक चलेगी। ट्रेन संख्या 09033 उधना - बरौनी स्पेशल प्रत्येक बुधवार को 20.35 बजे उधना से प्रस्थान करेगी और शुक्रवार को 03.00 बजे बरौनी पहुंचेगी। यह ट्रेन 09 अप्रैल से 25 जून, 2025 तक चलेगी। इसी तरह, ट्रेन संख्या 09034 बरौनी - उधना स्पेशल प्रत्येक शुक्रवार को 05.30 बजे बरौनी से प्रस्थान करेगी और अगले दिन 16.30 बजे उधना पहुंचेगी।

ठाणे सिविल अस्पताल में वरिष्ठ नागरिक के जीभ कैंसर की सफल सर्जरी

डीबीडी संवाददाता | ठाणे

तंबाकू सेवन के कारण बढ़ते मुख कैंसर के मामलों के बीच ठाणे सिविल अस्पताल में एक वरिष्ठ नागरिक की जटिल लेकिन सफल सर्जरी की गई। 70 वर्षीय मरीज (बदला हुआ नामः शांताराम जाधव) लंबे समय से तंबाकू का सेवन कर रहे थे, जिससे उन्हें जीभ का कैंसर हो गया।

कैसे पता चला कैंसर?

शांताराम जाधव को कुछ समय से जीभ में सूजन महसूस हो रही थी, जिससे बोलने और खाने में दिक्कत हो रही थी। जब वे ठाणे सिविल अस्पताल पहुंचे, तो डॉक्टरों ने उनकी बायोप्सी की, जिससे जीभ के कैंसर की पुष्टि हुई। जांच में पता चला कि कैंसर जीभ से गर्दन तक फैल चुका था।

जटिल सर्जरी सफल

इसके बाद जिला शल्य चिकित्सक डॉ. कैलाश पवार, अतिरिक्त जिला शल्य चिकित्सक डॉ. धीरज महांगड़े और जिला दंत चिकित्सक डॉ. अर्चना पवार के मार्गदर्शन में यह सर्जरी की गई। ऑपरेशन में ओन्को सर्जन डॉ. हितेश सिंघवी, डेंटल सर्जन डॉ. अर्चना पवार, एनेस्थिसियोलॉजिस्ट डॉ. प्रियंका महानगड़े और डॉ. सुजाता पाडेकर ने अहम भूमिका निभाई।

क्या होती है कमांडो सर्जरी?

यह ठाणे सिविल अस्पताल में पिछले साल की गई पांचवीं सफल कमांडो सर्जरी थी। इस प्रक्रिया में संक्रमित हिस्से को हटाने के साथ गर्दन में फैले ट्यूमर को भी ऑपरेशन के जरिए निकाला जाता है।

सिविल अस्पताल में मुफ्त और गुणवत्तापूर्ण इलाज

दंत चिकित्सक डॉ. अर्चना पवार ने बताया कि अस्पताल के दंत विभाग में आने वाले हर मरीज को मुख कैंसर के प्रति जागरूक किया जाता है। जिला शल्य चिकित्सक डॉ. कैलाश पवार ने कहा कि ठाणे सिविल अस्पताल में मरीजों को गुणवत्तापूर्ण इलाज मिल रहा है, जिससे उन्हें मुंबई के टाटा अस्पताल जैसी जगहों पर जाने की जरूरत नहीं पड़ती। कैंसर के इलाज का खर्च अधिक होने के कारण आम आदमी के लिए सिविल अस्पताल राहत का केंद्र बन रहा है।

पब्लिक सेफ्टी बिल के खिलाफ पत्रकार संगठनों का विरोध

दीपक पवार | मुंबई

प्रस्तावित विशेष सार्वजनिक सुरक्षा विधेयक के खिलाफ पत्रकार संगठन आक्रामक हो गए हैं। इसे अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर हमला बताते हुए मुंबई के दस प्रमुख पत्रकार संगठनों ने मिलकर 'पत्रकार अभिव्यक्ति सुरक्षा मंच' का गठन किया है। बुधवार दोपहर मुंबई मराठी पत्रकार संघ के परिसर में इस मंच के तहत उग्र विरोध प्रदर्शन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में पत्रकार शामिल हुए। प्रदर्शन में पत्रकार संगठनों के नेताओं ने सरकार पर आरोप लगाया कि यह कानून मीडिया की स्वतंत्रता को दबाने के लिए लाया जा रहा है। मराठी पत्रकार परिषद के एस.एम. देशमुख, मुंबई मराठी पत्रकार संघ के संदीप चव्हाण, बीयूजे के इंद्रकुमार जैन, महाराष्ट्र शोध केंद्र के महेश म्हात्रे, पुण्यनगरी के शैलेंद्र शिर्के, वरिष्ठ पत्रकार किरण नाईक और अन्य पत्रकारों ने इस कानून का कड़ा विरोध किया। पत्रकारों ने ऐलान किया है कि वे जल्द ही राज्यपाल और मुख्यमंत्री से मिलकर इस कानून के खिलाफ अपनी आपत्ति दर्ज कराएंगे। इसके अलावा, विभिन्न राजनीतिक दलों के नेताओं से भी संपर्क किया जाएगा, ताकि वे इस कानून के विरोध में स्पष्ट रुख अपनाएं।

किडनैपिंग, यौन उत्पीड़न और कत्ल...

9 साल के बच्चे के साथ दरिंदगी

पुलिस के हत्थे चढ़ा 19 साल का आरोपी

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

बुधवार रात एक नौ वर्षीय लड़के साथ बलात्कार कर उसकी हत्या करने का मामला प्रकाश में आया है। चुनाभट्टी पुलिस ने फौरी तौर पर मामला दर्ज करते हुए 19 वर्षीय आरोपी को गिरफ्तार करने में सफलता पाई है।

खिलौनों के बहाने बच्चे को ले गया था कब्रिस्तान

पुलिस ने बताया कि आरोपी ने पीड़ित को खिलौने और खाने का लालच देकर कब्रिस्तान के पास एक सुनसान जगह पर ले जाकर उसके साथ बलात्कार किया। जब पीड़ित ने चिल्लाना शुरू किया तो आरोपी ने कथित तौर पर उस पर हमला किया और उसका गला घोंटकर हत्या कर दी तथा घटनास्थल से भाग गया। पुलिस के अनुसार, बिहार का रहने वाला आरोपी ठाणे के एक गोदाम में काम करता है। उसने मुंबई निवासी नाबालिग को रेलवे स्टेशन के बाहर अकेले घूमते हुए देखा और उसे बहला-फुसलाकर कब्रिस्तान के पास सुनसान जगह पर ले गया। नाबालिग के शरीर पर चोट के निशानों के आधार पर पुलिस ने कहा कि उसने कथित बलात्कार का विरोध किया होगा, जिसके कारण आरोपी ने उसके साथ मारपीट की। नाबालिग का शव मिलने के बाद पुलिस ने उसे पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया और दुष्कर्म व हत्या का मामला दर्ज कर मामले कि जांच में जुट गई और घटनास्थल के पास के सीसीटीवी फुटेज के आधार पर पुलिस ने आरोपी का पता लगाकर उसे गिरफ्तार कर लिया।

डीएनए नमूने एकत्र किए

एक अधिकारी ने बताया कि हम जांच कर रहे है कि आरोपी के खिलाफ पहले कोई मामला तो नहीं है। उसे गुरुवार को स्थानीय अदालत में पेश किया गया और जहां अदालत के आदेशानुसार आरोपी को पुलिस हिरासत में भेज दिया गया। अधिकारी ने बताया कि फोरेंसिक जांच दल ने घटनास्थल का दौरा किया और डीएनए नमूने एकत्र किए हैं।

हंसिका मोटवानी ने हाईकोर्ट में दायर की याचिका

भाभी के खिलाफ मामला रद्द करने की मांग

मुंबई। तमिल और तेलुगु फिल्मों की अभिनेत्री हंसिका मोटवानी और उनकी मां ज्योति मोटवानी ने अपने खिलाफ दर्ज 498A (पत्नी के साथ अत्याचार) के मामले को रद्द कराने के लिए बॉम्बे हाईकोर्ट का रुख किया है। बॉम्बे हाईकोर्ट की जस्टिस सारंग कोतवाल और जस्टिस एस.एम. मोडक की पीठ ने गुरुवार को हंसिका मोटवानी की याचिका पर उनकी भाभी मुस्कान जेम्स और मुंबई पुलिस को नोटिस जारी किया। मामले की अगली सुनवाई 3 जुलाई को होगी।

टीवी अभिनेत्री मुस्कान जेम्स ने 2020 में हंसिका के भाई प्रशांत मोटवानी से शादी की। दिसंबर 2022 में दोनों ने अलग होने का फैसला किया। 2024 में मुस्कान ने हंसिका, उनकी मां ज्योति और प्रशांत मोटवानी के खिलाफ मुंबई पुलिस में एफआईआर दर्ज कराई। एफआईआर आईपीसी की धारा 498A (पत्नी के साथ अत्याचार), 323 (चोट पहुंचाना), 504 और 506 (आपराधिक धमकी) के तहत दर्ज की गई। हंसिका मोटवानी की वकील दृष्टि खुराना ने अदालत में दलील दी कि एफआईआर दुर्भावना से प्रेरित है। वकील ने बताया कि हंसिका और उनकी मां ने मुस्कान से 27 लाख रुपये वापस मांगे थे, जो उन्होंने अपने भाई की शादी के दौरान उधार दिए थे। यह रकम वेडिंग प्लानर्स को भुगतान करने के लिए दी गई थी, लेकिन न तो मुस्कान और न ही प्रशांत मोटवानी ने इसे लौटाया। इसके बाद, मुस्कान ने प्रतिशोध स्वरूप हंसिका और उनकी मां के खिलाफ यह मामला दर्ज कराया।

पीएम मोदी-योगी को धमकी देने वाले को दो साल की सजा

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को जान से मारने की धमकी देने वाले आरोपी को मुंबई की एक अदालत ने दो साल की सजा सुनाई है। आरोपी ने 2023 में मुंबई पुलिस के मुख्य नियंत्रण कक्ष को फोन कर धमकी दी थी। अदालत ने कहा कि वह किसी तरह की सहानुभूति का हकदार नहीं है।

मानसिक अस्थिरता की दलील खारिज

प्रथम श्रेणी न्यायिक मजिस्ट्रेट (एस्प्लेनेड कोर्ट) हेमंत जोशी ने 29 मार्च को मामले में फैसला सुनाया। मजिस्ट्रेट ने आरोपी कामरान खान की मानसिक अस्थिरता की दलील को खारिज कर दिया। उन्होंने कहा कि आरोपी ने अपने दावे के समर्थन में कोई प्रमाण पेश नहीं किया।

आईपीसी की धाराओं में दोषी करार

कोर्ट ने आरोपी को भारतीय दंड संहिता की धारा 505 (2) (वर्गों के बीच दुश्मनी व घृणा फैलाने वाले बयान) और 506 (2) (आपराधिक धमकी) के तहत दोषी पाया। अदालत ने दो साल की सजा के अलावा 10 हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया।

मुंबई पुलिस को किया था फोन

अभियोजन पक्ष के अनुसार, आरोपी ने नवंबर 2023 में मुंबई पुलिस के नियंत्रण कक्ष को फोन कर कहा था कि वह जेजे अस्पताल को बम से उड़ा देगा। उसने दावा किया कि अंडरवर्ल्ड डॉन दाऊद इब्राहिम मोदी को खत्म करने के लिए 5 करोड़ रुपये दे रहा है और एक गुर्गे को योगी को बम से उड़ाने के लिए 1 करोड़ रुपये दिए गए हैं।

अफवाहों से सुरक्षा को खतरा

कोर्ट ने कहा कि आरोपी के कारण पुलिस तंत्र पर अतिरिक्त दबाव पड़ा और महत्वपूर्ण व्यक्तियों की सुरक्षा को खतरा हुआ। अदालत ने कहा कि आरोपी ने कई बार इस तरह के अपराध किए हैं, इसलिए उसके प्रति कोई नरमी नहीं बरती जा सकती।

बच्चे के जन्म रिकॉर्ड पर किसी का एकाधिकार नहीं

जन्म प्रमाण पत्र पर हाईकोर्ट का बड़ा फैसला आया

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

बॉम्बे हाईकोर्ट ने वैवाहिक विवादों में उलझे माता-पिता अपने अहं की संतुष्टि के लिए किसी भी हद तक जा सकते हैं। हाईकोर्ट ने अपने एक हालिया आदेश में यह टिप्पणी करते हुए कहा कि माता-पिता में से कोई भी बच्चे के जन्म रिकॉर्ड के संबंध में किसी तरह के अधिकार का इस्तेमाल नहीं कर सकता।

हाईकोर्ट की औरंगाबाद पीठ के जस्टिस मंगेश पाटिल और जस्टिस वाईजी खोबरागड़े ने इसके साथ उस महिला की याचिका को खारिज कर दिया, जिसने अपने बच्चे के जन्म संबंधी रिकॉर्ड में माता-पिता के रूप में केवल उसका नाम दर्ज करने का अनुरोध किया था। हाईकोर्ट ने कहा कि यह याचिका इसका एक स्पष्ट उदाहरण है कि कैसे एक वैवाहिक विवाद कई मुकदमों का कारण बनता है।

अदालत ने लगाया जुर्माना

अदालत ने याचिकाकर्ता पर 5,000 रुपये का जुर्माना लगाया और कहा कि यह याचिका न्यायिक प्रक्रिया का सरासर दुरुपयोग है तथा कोर्ट के बहुमूल्य समय की बर्बादी है। महिला की तरफ से दायर याचिका में औरंगाबाद नगर निगम के अधिकारियों को ये निर्देश देने का अनुरोध किया गया था कि बच्चे के जन्म रिकॉर्ड में उसका नाम एकल अभिभावक के रूप में दर्ज करें और केवल उसके नाम से जन्म प्रमाणपत्र जारी करें।

क्या था मामला?

महिला ने अपनी याचिका में दावा किया कि उसका अलग रह रहा पति कुछ बुरी आदतों का आदी है और उसने कभी अपने बच्चे का चेहरा भी नहीं देखा है। हालांकि, हाईकोर्ट ने कहा कि सिर्फ इसलिए कि पिता बुरी आदतों का शिकार है, मां को बच्चे के जन्म प्रमाणपत्र में खुद को एकल अभिभावक के तौर पर दर्ज कराने का अधिकार नहीं मिल जाता।

लोकसभा में उठा बैंकों में जमा राशि की 100% बीमा सुरक्षा का मुद्दा

शिवसेना सांसद नरेश म्हस्के ने डीआईसीजीसी अधिनियम में संशोधन की मांग की

नई दिल्ली/मुंबई। बैंकों के दिवालिया होने की स्थिति में जमाकर्ताओं के हितों की सुरक्षा की मांग गुरुवार को लोकसभा में उठी। शिवसेना (शिंदे गुट) सांसद नरेश म्हस्के ने डिपॉजिट इंश्योरेंस क्रेडिट गारंटी कॉरपोरेशन (DICGC) अधिनियम की धारा 16 में संशोधन कर जमाकर्ताओं की जमा राशि को 100% बीमा सुरक्षा देने की मांग की।

वर्तमान में 5 लाख तक की सुरक्षा

म्हस्के ने कहा कि वर्तमान नियमों के तहत यदि कोई बैंक दिवालिया हो जाता है, तो सिर्फ 5 लाख रुपये तक की जमा राशि ही बीमा सुरक्षा के दायरे में आती है। यह सीमा 2020 में 1 लाख से बढ़ाकर 5 लाख की गई थी, लेकिन महंगाई को देखते हुए यह अपर्याप्त साबित हो रही है।

DICGC अधिनियम की धारा 21 हटाने की मांग

सांसद ने DICGC अधिनियम की धारा 21 को हटाने की भी मांग की, ताकि जिन बैंकों से बीमा प्रीमियम लिया जाता है, उनके जमाकर्ताओं को 100% बीमा कवर मिल सके। उन्होंने इसे अन्यायपूर्ण करार देते हुए कहा कि DICGC हर बैंक की संपूर्ण जमा राशि पर प्रीमियम वसूल करता है, लेकिन सिर्फ 5 लाख तक की बीमा सुरक्षा देता है। यह बीमा सिद्धांतों के खिलाफ है और जमाकर्ताओं के साथ अन्याय है।

आर्थिक स्थिरता के लिए जरूरी बदलाव

उन्होंने कहा कि सरकार को इस मामले पर जल्द से जल्द संज्ञान लेना चाहिए और बैंकों में जमा राशि की पूरी बीमा सुरक्षा सुनिश्चित करनी चाहिए, ताकि आम जनता को किसी वित्तीय संकट की स्थिति में नुकसान न उठाना पड़े।

मुंबई पुलिस ने ड्रोन, हॉट एयर बैलून पर लगाया बैन

आतंकियों के निशाने पर VVIP लोग

मुंबई। मुंबई पुलिस ने राज्य और लोगों की सुरक्षा को देखते हुए एक बड़ा फैसला लिया है। पुलिस ने 1 महीने के लिए ड्रोन, रिमोट-कंट्रोल्ड माइक्रोलाइट विमान, पैरा ग्लाइडर और हॉट एयर बैलून उड़ाने पर प्रतिबंध लगा दिया है। अधिकारियों ने गुरुवार को यह जानकारी दी। भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 163 के तहत जारी निषेधाज्ञा 4 अप्रैल से 5 मई तक लागू रहेगी। आदेश के अनुसार, आतंकवादी और असामाजिक तत्व अपने हमलों में ड्रोन, रिमोट-नियंत्रित माइक्रोलाइट विमान, पैरा ग्लाइडर का इस्तेमाल कर सकते हैं और वीवीआईपी को निशाना बना सकते हैं इससे लोगों की जान को खतरे में डाल सकते हैं। साथ ही सार्वजनिक संपत्ति को नष्ट कर सकते हैं और मुंबई पुलिस आयुक्तालय क्षेत्र में कानून-व्यवस्था की गड़बड़ी पैदा कर सकते हैं। आदेश में कहा गया है कि शहर में ऐसे तत्वों की गतिविधियों पर कुछ प्रतिबंध लगाए जाने की जरूरत है, ताकि उड़ने वाली वस्तुओं के जरिए संभावित तोड़फोड़ को रोका जा सके, जिसके लिए कुछ निवारक उपाय किए जाने की जरूरत है।

एक महीने के लिए किया बैन

मुंबई पुलिस के अधिकार क्षेत्र में पुलिस की हवाई निगरानी या डीसीपी (संचालन) की विशेष अनुमति को छोड़कर ड्रोन, रिमोट-नियंत्रित माइक्रोलाइट विमान, पैराग्लाइडर की उड़ान गतिविधियों की अनुमति नहीं दी जाएगी। आदेश में कहा गया है कि आदेश का उल्लंघन करने वाले किसी भी व्यक्ति को भारतीय न्याय संहिता की धारा 223 (किसी लोक सेवक द्वारा घोषित वैध आदेश की अवज्ञा) के तहत दंडित किया जाएगा।

पुलिस कांस्टेबल भर्ती में ट्रांसजेंडरों से भेदभाव

हाईकोर्ट ने महाराष्ट्र सरकार से मांगा जवाब

मुंबई। बॉम्बे हाईकोर्ट ने पुलिस कांस्टेबल भर्ती में ट्रांसजेंडर व्यक्तियों के साथ कथित भेदभाव को लेकर महाराष्ट्र सरकार से जवाब मांगा है। याचिका में राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण (NALSA) बनाम भारत संघ (2014) के ऐतिहासिक फैसले और ट्रांसजेंडर व्यक्तियों (अधिकारों का संरक्षण) अधिनियम 2019 के प्रावधानों के सख्त अनुपालन की मांग की गई है।

अंधेरी स्टेशन पर तीन महीने तक बंद रहेगा फुट ओवर ब्रिज

मुंबई। पश्चिमी रेलवे ने गुरुवार को घोषणा की कि मरम्मत कार्यों के चलते अंधेरी स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर 4 और 5 पर स्थित मध्य फुट ओवर ब्रिज (एफओबी) की साउथ की ओर की सीढ़ी 7 अप्रैल से 6 जून 2025 तक बंद रहेगी। रेलवे ने यात्रियों से अपील की है कि वे स्टेशन पर उपलब्ध अन्य सीढ़ियों और फुट ओवर ब्रिज का उपयोग करें।

वानखेड़े स्टेडियम एफओबी का पुनर्निर्माण पूरा

इस बीच, पश्चिमी रेलवे ने वानखेड़े स्टेडियम एफओबी का पुनर्निर्माण कर उद्घाटन कर दिया है। इससे इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 मैचों से पहले क्रिकेट प्रेमियों के लिए बेहतर कनेक्टिविटी सुनिश्चित हुई है। मुंबई क्रिकेट एसोसिएशन (एमसीए) से आवश्यक धन मिलने के बाद यह एफओबी केवल आठ महीने में बनकर तैयार हुआ। मुख्य जनसंपर्क अधिकारी विनीत अभिषेक ने बताया कि नया एफओबी पूर्व और पश्चिम दिशा में दो सीढ़ियों के साथ चालू कर दिया गया है, जिससे यात्रियों की आवाजाही आसान होगी। 48 मीटर लंबाई और 6.30 मीटर चौड़ाई वाले इस एफओबी का पुनर्निर्माण 6.50 करोड़ रुपये की लागत से किया गया है।

समाजसेवी चंद्रशेखर शुक्ल का निधन

मुंबई। हजारों गरीब कन्याओं का अपने खर्चे से विवाह कराने वाले श्री रामलीला उत्सव समिति, विक्रोली के अध्यक्ष चंद्रशेखर शुक्ल का बीती रात 10 बजे आकस्मिक निधन हो गया। लोग उन्हें बेबी भैया के नाम से जानते थे, जिसने भी उनके निधन की खबर सुनी, वह स्तब्ध रह गया। बहुत ही विनम्र, शालीन, उदार और हमेशा जरूरतमंदों की मदद के लिए आगे आने वाले बेबी भैया के निधन से समाज को गहरा आघात लगा है। उत्तर प्रदेश के सुल्तानपुर जनपद स्थित रेवारी गांव के मूल निवासी बेबी भैया के सुपुत्र राहुल शुक्ला जयसिंहपुर ब्लाक के वर्तमान ब्लाक प्रमुख हैं।

श्रद्धांजलि देने उमड़ा जनसैलाब

गुरुवार सुबह से ही घाटकोपर-पश्चिम स्थित उनके आवास पर अंतिम दर्शन करने वालों की भीड़ लगी रही। महाराष्ट्र के पूर्व गृह राज्यमंत्री कृपाशंकर सिंह, राहुल एजुकेशन के चेयरमैन लल्लन तिवारी, बोरीवली के विधायक संजय उपाध्याय, उत्तर भारतीय संघ के अध्यक्ष संतोष आरएन सिंह, उद्योगपति तथा समाजसेवी ज्ञानप्रकाश सिंह, भारतीय सद्विचार मंच के अध्यक्ष डॉ. राधेश्याम तिवारी, समरस फाउंडेशन के चेयरमैन डॉ. किशोर सिंह, डॉ. ओमप्रकाश दुबे, वरिष्ठ समाजसेवी विजसेन सिंह, डॉ. उमेश चंद्र तिवारी गुरु जी, गौरीशंकर मंडल के अध्यक्ष रामसेवक पांडे, मीरा-भायंदर के समाजसेवी सुरेश सिंह, समाजसेवी विजय पंडित, डॉ. रमाकांत तिवारी क्षितिज, विद्रोही महाराज, समेत सैकड़ों लोगों ने गहरा दुख प्रकट करते हुए उनकी आत्मा की शांति हेतु ईश्वर से प्रार्थना की है।

शिवाजी नगर और बैंगनवाड़ी में अवैध रिक्शा स्टैंड

आम नागरिकों और वाहन चालकों को हो रही है परेशानी

मुंबई। पूर्व उपनगर गोवंडी के शिवाजी नगर और बैंगनवाड़ी क्षेत्र में अवैध रिक्शा स्टैंडों की संख्या बढ़ती जा रही है, जिससे आम नागरिकों और वाहन चालकों को भारी परेशानी हो रही है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि यातायात पुलिस की लापरवाही के चलते इन स्टैंडों की मनमानी जारी है।

रिक्शा चालकों की मनमानी

बैगनवाड़ी सिग्नल पर स्थित रिक्शा स्टैंड के चालक बेधड़क सड़क पर अतिक्रमण कर यातायात बाधित कर रहे हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि स्टैंड संचालक यात्रियों की सुरक्षा की अनदेखी कर रहे हैं।

शिवाजी नगर जंक्शन बना जाम का मुख्य कारण

शिवाजी नगर जंक्शन, जो इस क्षेत्र में प्रवेश का मुख्य रास्ता है, तीन तरफ से रिक्शा स्टैंडों से घिरा हुआ है। यहां बस डिपो और बस टर्मिनल भी है, जिससे यातायात का दबाव पहले से अधिक होता है। रिक्शा स्टैंडों की अव्यवस्थित पार्किंग के कारण यहां लगातार ट्रैफिक जाम की समस्या बनी रहती है।

अवैध पार्किंग और हॉकर्स भी बन रहे बाधा

बैगनवाड़ी रोड पर अवैध मोटरसाइकिल पार्किंग, रिक्शों की बेतरतीब खड़ी गाड़ियां और सड़क किनारे लगे हॉकर्स की हाथगाड़ियां ट्रैफिक जाम को और गंभीर बना रही हैं। हैरानी की बात यह है कि इस इलाके से शिवाजी नगर पुलिस स्टेशन के अधिकारी भी गुजरते हैं, लेकिन वे इस समस्या को नजरअंदाज कर रहे हैं।

हर 10 मीटर पर नया रिक्शा स्टैंड

स्थानीय लोगों ने शिकायत की है कि शिवाजी नगर क्षेत्र में लगभग हर 10 मीटर की दूरी पर एक नया रिक्शा स्टैंड बन जाता है, जिससे पैदल चलने वालों और अन्य वाहनों को रास्ता मिलना मुश्किल हो जाता है। इसके बावजूद यातायात पुलिस इस समस्या का कोई समाधान नहीं निकाल रही है।

बृहन्मुंबई महानगरपालिका

ई-निविदा सूचना

विभाग	:-	हाइड्रोलिक इंजीनियर/उप हाइड्रोलिक इंजीनियर (रखरखाव)
अनुभाग	:-	सहायक इंजीनियर (रखरखाव) जल कार्य पूर्वी उपनगर-1
बोली संख्या	:-	2025_MCGM_1166695_1
विषय	:-	AE(M.)WWES-I प्रभाग के अंतर्गत गैरेज अनुभाग के लिए भंडारण व्यवस्था के निर्माण और स्थापना का कार्य"
बोली प्रारंभ तिथि और समय	:-	04.04.2025 सुबह 11:00 बजे से
बोली समाप्ति तिथि और समय	:-	15.04.2025 से शाम 16:00 बजे तक
वेबसाइट	:-	https://mahatenders.gov.in
संपर्क व्यक्ति		
a नाम	:-	श्री. अविनाश एम. कोल्ते , ई. (एम.)डब्ल्यू.डब्ल्यू.ई.एस.-I
b टेलीफोन	:-	022-25153249/50
c मोबाइल नंबर	:-	9930260508
d ई-मेल आईडी	:-	aewwmes.he@mcgm.gov.in

हस्ता./-
कार्यकारी अभियंता
(मुख्य कार्य) जल कार्य

पीआरओ/ 30/विज्ञा./2025-26

समय पर उपचार, बचाएं प्राण।

DBD दो बजे दोपहर
पत्रकारिता पावर नहीं रिस्पांसिबिलिटी है

संपादकीय

बुलडोजर से नाइंसाफी

यह पहली बार नहीं है कि देश की शीर्ष अदालत को कहना पड़ा कि कथित अवैध निर्माणों के खिलाफ बुलडोजर की कार्रवाई न्याय के नैसर्गिक नियमों का उल्लंघन है। लेकिन ऐसी बलपूर्वक की गई कार्रवाई को असंवैधानिक करार दिए जाने के बावजूद पिछले दिनों उत्तर प्रदेश और महाराष्ट्र में बुलडोजर की नाइंसाफी नजर आई। कोर्ट का कहना था कि यह बुलडोजरी अन्याय केवल झुग्गियों व मकानों को ही नहीं गिरा रहा है, बल्कि यह कानून की उचित प्रक्रिया व अनुच्छेद 21 का भी अतिक्रमण है। जो हर नागरिक के जीवन और व्यक्तिगत स्वतंत्रता की सुरक्षा की गारंटी देता है। शीर्ष अदालत ने प्रयागराज में घरों को गिराए जाने को अमानवीय और अवैध बताते हुए शहरी विकास प्राधिकरण को प्रत्येक पीड़ित घर के मालिक को दस लाख रुपये का मुआवजा देने का आदेश दिया है। कोर्ट ने उत्तर प्रदेश के अंबेडकर नगर में अतिक्रमण विरोधी अभियान के दौरान घटी उस घटना को तंत्र की संवेदनहीनता बताया जिसमें बुलडोजर द्वारा झोपड़ी गिराए जाने पर एक बालिका अपनी किताबें पकड़कर भाग रही थी। अदालत का कहना था कि तसवीर देश की अंतरात्मा को झकझोर देने वाली है। साथ ही अधिकारियों की मनमानी और असंवेदशीलता को उजागर करती है। कहा गया कि अतिक्रमणकारियों को खुद की स्थिति को स्पष्ट करने का उचित अवसर दिए बिना बुलडोजर से उनके मकान या झोपड़ियों को ध्वस्त करना अन्याय जैसा ही है। जिससे निष्कर्ष निकलता है कि प्रशासन का इरादा अनधिकृत निर्माण को हतोत्साहित करने के बजाय उन्हें सबक सिखाना लगता है। दरअसल, उत्तर प्रदेश में शासन-प्रशासन कथित 'तत्काल न्याय' के बुलडोजर मॉडल को लागू करने में सबसे आगे रहा है। इस विवादास्पद कार्रवाई का बचाव करते हुए राज्य के मुख्यमंत्री ने कहा था कि कभी-कभी कुछ लोगों को उनकी समझ में आने वाली 'भाषा' में चीजों को समझाने की जरूरत होती है। जिसके मायने यह भी हैं कि ऐसे तत्वों को अदालतों द्वारा उन्हें दोषी या निर्दोष ठहराये जाने का इंतजार किए बिना ही दंडित किया जाएगा। यह विडंबना है कि नागपुर मामले में बॉम्बे हाईकोर्ट की नागपुर बैंच ने आरोपियों की संपत्ति के खिलाफ कार्रवाई पर रोक लगायी थी, लेकिन जब तक आदेश पहुंचा तब तक स्थानीय प्रशासन कार्रवाई कर चुका था। वैसे हकीकत यह भी है कि कोई अवैध निर्माण रातोंरात खड़ा नहीं हो जाता। जब उसका निर्माण होता है तो स्थानीय प्रशासन की नजर उस पर क्यों नहीं जाती। एकाएक ऐसी स्थिति क्यों पैदा हो जाती है कि उसे गिराने की तत्काल जरूरत पड़ती है। फिर तुरत-फुरत बुलडोजर चल जाता है। सवाल यह भी कि हर छोटे-बड़े, धनाढ्य वर्ग, प्रभावशाली नेताओं के अवैध निर्माण पर पीला पंजा क्यों नहीं चलता? निस्संदेह, बुलडोजर की गति राजाश्रय के संरक्षण में ही तेज होती है।

राजनीतिक इच्छाशक्ति की कमी से संकट बरकरार

ज्ञानेन्द्र रावत

बीते दिनों महाराष्ट्र नव निर्माण सेना (मनसे) प्रमुख राज ठाकरे ने गंगा की स्वच्छता पर सवाल उठाते हुए कहा कि आज देश की कोई नदी ऐसी नहीं है जो स्वच्छ हो और प्रदूषण मुक्त हो। विडम्बना यह है कि इसके बावजूद हम उन्हें स्वच्छ रखने में असफल रहे हैं। गौरतलब है कि गंगा की सफाई का जिम्मा केन्द्र सरकार के सात मंत्रालयों पर है, लेकिन हकीकत यह है कि गंगा अपने मायके से ही प्रदूषित हो रही है। उत्तराखंड सरकार की रिपोर्ट से खुलासा हुआ है कि गंगा कई स्थानों पर जल शोधन संयंत्र से छोड़े गए पानी से ही प्रदूषित है। एनजीटी को भी इस बारे में जानकारी है। यह स्थिति केवल गंगा की नहीं, बल्कि देश की दूसरी नदियों की भी है।

केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अनुसार, गंगा और यमुना जैसी नदियां कई दशकों से प्रदूषित हैं। परिणामस्वरूप, जलीय जीव संकट में हैं और मानव स्वास्थ्य भी गंभीर खतरे में है। अनियोजित शहरीकरण, बढ़ती आबादी और कारखानों से निकलने वाला गंदा पानी नदियों के अस्तित्व को खतरे में डाल रहा है, साथ ही यह भूमिगत जल को भी प्रदूषित कर रहा है। विज्ञान और पर्यावरण केन्द्र की रिपोर्ट के अनुसार, घरों, फैक्टरियों और संस्थानों से निकलने वाला 72 फीसदी गंदा पानी सीधे नदियों और झीलों में जा रहा है, जिससे पेयजल और अन्य उपयोग के लिए पानी का संकट बढ़ता जा रहा है। एनजीटी की रिपोर्ट के अनुसार, उत्तर प्रदेश में गंगा और उसकी सहायक नदियों में रोजाना 1100 मिलियन लीटर प्रति दिन (एमएलडी) सीवेज गिर रहा है। राज्य में गंगा किनारे बसे जिलों के 225 नाले सीधे नदियों में मिल रहे हैं, जबकि केवल 101 नाले एसटीपी (सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट) से जुड़े हैं। देश की राजधानी दिल्ली की जीवन रेखा यमुना हजारों करोड़ रुपये खर्च होने के बाद भी गंदे नाले से भी बदतर हालत में है। उसका पानी न केवल लोगों के स्वास्थ्य के लिए गंभीर खतरा है, बल्कि वह पर्यावरण के लिए भी हानिकारक है।

मौजूदा स्थिति यह है कि नई भाजपा सरकार नये संकल्प और यमुना सफाई के नये एजेंडे के साथ यमुना के पुनरुद्धार और कायाकल्प में जुटी है। दिल्ली उच्च न्यायालय ने भी दिल्ली के 16 औद्योगिक क्षेत्रों में एसटीपी की कमी पर हैरानी जताई है और कहा है कि यमुना में बिना ट्रीटमेंट के अपशिष्ट पदार्थ खुलेआम गिराए जा रहे हैं। हकीकत यह है कि यहां एक-तिहाई क्षमता से एसटीपी काम कर रहे हैं और 11 क्लस्टरों के लिए प्लांट ही नहीं हैं। इसके लिए एसटीपी की क्षमता तीन गुना बढ़ानी होगी और निगरानी तंत्र को चौकस करना होगा, तभी कोई बदलाव की उम्मीद की जा सकती है। गौरतलब है कि दिल्ली प्रदूषण नियंत्रण समिति यमुना में प्रदूषण के लिए 60 फीसदी जिम्मेदार नजफगढ़ नाले को मानती है। असलियत यह है कि यमुना इतनी प्रदूषित हो चुकी है कि दिल्ली के अंदर और सीमा पर भी उसका जल नहाने लायक नहीं है। आंकड़ों के अनुसार, एक समय देश में करीब 15,000 छोटी-बड़ी नदियां थीं, जिनमें से 30 फीसदी से ज्यादा आज सूख चुकी हैं। 4500 से ज्यादा छोटी या मंझोली नदियां केवल बारिश के दिनों में बहती हैं, और बाकी आठ-नौ महीनों में वे मृतप्राय रहती हैं। देश की राजधानी दिल्ली की जीवनदायिनी यमुना में बरसात के दिनों में भले जलस्तर बढ़ा रहता है, लेकिन बाकी आठ-नौ महीनों में इसका जलस्तर काफी कम हो जाता है। गर्मी के दिनों में स्थिति और भयावह हो जाती है। यही हालत देश के अन्य राज्यों की छोटी-बड़ी नदियों की है, जहां की नदियों के साथ-साथ झीलों का जलस्तर भी कम हो गया है। उत्तराखंड में पर्यटन के लिए विख्यात नैनीताल की झीलें इसकी जीती-जागती मिसाल हैं, जिनका जलस्तर कम हो रहा है। मध्य भारत की गंगा कहलाने वाली पौराणिक नदी बेतवा की बात करें तो उसके उद्गम स्थल ही सिमट गए हैं। मध्य प्रदेश सरकार ने 2024 में बेतवा के उद्गम स्थल में जल गंगा संवर्धन योजना शुरू करने की घोषणा की थी, लेकिन उसका अभी तक क्रियान्वयन नहीं हुआ है। सवाल यह है कि देश की नदियां साफ क्यों नहीं हो पा रही हैं। इस मामले में जल शक्ति मंत्रालय ने भी स्वीकार किया है कि इसमें सीवेज सिस्टम की खामी अहम कारण है। असलियत में नदियों के किनारे बसे शहरों के सीवेज सिस्टम में सुधार में नाकामी के कारण सीवेज का गंदा पानी सीधे नदियों में गिरकर उन्हें विषाक्त कर रहा है। इसके लिए उन शहरों के नगर निकाय पूरी तरह जिम्मेदार हैं। हालात यह हैं कि कहीं शोधन संयंत्र देखभाल के अभाव में खराब पड़े हैं, कहीं उनकी शोधन क्षमता उतनी नहीं है जितनी होनी चाहिए, कहीं जरूरत के मुताबिक उनकी तादाद बहुत कम है, और कहीं बिजली आपूर्ति समय पर न होने के कारण वे पूरे समय काम नहीं कर पाते। कहीं-कहीं शोधन संयंत्रों से गंदे नाले जोड़े ही नहीं गए हैं, नतीजतन वे सीधे नदियों में गिर रहे हैं। हकीकत में सरकारें और नगर निकाय औद्योगिक रसायनयुक्त अपशिष्ट सीधे नालों या नदियों में गिरने से रोकने में नाकाम हैं। दुखद यह है कि इसके पीछे राजनीतिक इच्छाशक्ति का अभाव मुख्य कारण है। इसमें दो राय नहीं कि यदि नदियों को स्वच्छ और निर्मल बनाना है तो लॉकडाउन जैसी सख्ती बरतनी होगी, तभी कुछ बदलाव की उम्मीद की जा सकती है।

शख्सियत | माखनलाल चतुर्वेदी

साहित्य और राष्ट्रभक्ति के प्रतीक

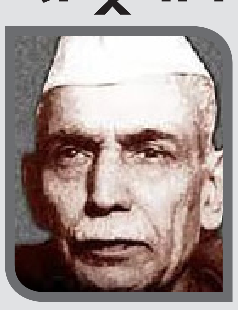

माखनलाल चतुर्वेदी (जन्मः 4 अप्रैल 1889) हिंदी साहित्य के महान कवि, लेखक, पत्रकार और स्वतंत्रता सेनानी थे। उनकी कविताएँ देशभक्ति और राष्ट्र चेतना से ओतप्रोत थीं, जिनमें पुष्प की अभिलाषा सबसे प्रसिद्ध है। उन्होंने 'हिमतरंगिनी', 'माता' और 'युगचरण' जैसी रचनाएँ लिखीं और 'कर्मवीर' पत्रिका के संपादक रहे। हिंदी साहित्य में योगदान के लिए उन्हें 1955 में साहित्य अकादमी पुरस्कार मिला। 30 जनवरी 1968 को उनका निधन हुआ, लेकिन उनकी रचनाएँ आज भी राष्ट्रप्रेम की प्रेरणा देती हैं।

माखनलाल चतुर्वेदी का जीवन साहित्य, स्वतंत्रता संग्राम और राष्ट्रभक्ति का अद्भुत संगम था। इसी दौरान उन्होंने पत्रकारिता को भी अपना हथियार बनाया और 'कर्मवीर' पत्रिका के संपादक बने, जो ब्रिटिश शासन की नीतियों के खिलाफ अपनी प्रखर आवाज़ के लिए जानी जाती थी। ब्रिटिश सरकार ने उनकी क्रांतिकारी लेखनी को रोकने के लिए कई बार उन पर प्रतिबंध लगाए और उन्हें जेल में भी डाल दिया गया, लेकिन वे कभी पीछे नहीं हटे। उनकी लेखनी में अदम्य साहस और राष्ट्रप्रेम की भावना थी, जिसने युवाओं को स्वतंत्रता संग्राम में कूदने के लिए प्रेरित किया। माखनलाल चतुर्वेदी का साहित्यिक योगदान अतुलनीय है। वे ओजस्वी और प्रेरणादायक कविताएँ लिखते थे, जिनमें राष्ट्रभक्ति और समाज सुधार का संदेश स्पष्ट रूप से झलकता था। इस कविता में फूल की कल्पना के माध्यम से उन्होंने यह संदेश दिया कि जीवन का सर्वोच्च उद्देश्य मातृभूमि के लिए बलिदान देना है। इन रचनाओं में उन्होंने न केवल देशप्रेम की भावना को प्रकट किया, बल्कि सामाजिक और मानवीय मूल्यों को भी अभिव्यक्त किया। उनके साहित्यिक और पत्रकारिता क्षेत्र में किए गए कार्यों को देखते हुए उन्हें कई सम्मान मिले। इसके अलावा, उन्होंने हिंदी भाषा और साहित्य के उत्थान के लिए भी महत्वपूर्ण योगदान दिया। वे सादगीपूर्ण जीवन जीते थे और साहित्य को समाज के उत्थान का माध्यम मानते थे। उनका जीवन हमें कई सीख देता है। उनकी रचनाएँ हमें राष्ट्रप्रेम, ईमानदारी, सच्चाई और समाज सेवा का संदेश देती हैं। उनकी कविताओं से हमें त्याग, संघर्ष और मातृभूमि के प्रति असीम प्रेम की प्रेरणा मिलती है। 30 जनवरी 1968 को उनका निधन हो गया, लेकिन उनकी लेखनी आज भी अमर है। उनका जीवन एक मिसाल है कि कैसे एक व्यक्ति अपने विचारों और कर्मों से राष्ट्र और समाज के उत्थान में योगदान दे सकता है। उनकी कालजयी रचनाएँ आज भी हर पीढ़ी को प्रेरित करती हैं और हिंदी साहित्य को गौरवान्वित करती हैं।

राष्ट्रप्रेम के कवि और हिंदी साहित्य के गौरव

माखनलाल चतुर्वेदी न केवल एक उत्कृष्ट कवि और पत्रकार थे, बल्कि स्वतंत्रता संग्राम में भी उनका योगदान अविस्मरणीय रहा। उनकी रचनाएँ देशभक्ति से ओतप्रोत थीं, और उनकी कविता पुष्प की अभिलाषा स्वतंत्रता सेनानियों के लिए प्रेरणा का स्रोत बनी। उन्होंने 'कर्मवीर' पत्रिका का संपादन किया, जो ब्रिटिश शासन के खिलाफ जनता की आवाज़ बनी। हिंदी साहित्य में उनके योगदान को देखते हुए उन्हें 1955 में साहित्य अकादमी पुरस्कार से सम्मानित किया गया, और वे यह पुरस्कार पाने वाले पहले हिंदी साहित्यकार बने। उनके साहित्यिक योगदान और राष्ट्रप्रेम के कारण उन्हें राष्ट्रीय कविर के रूप में भी जाना जाता है।

जीवन मंत्र

दूसरों से उम्मीद करने के बजाय खुद को बदलो

जब हम खुद में बदलाव लाते हैं। उदाहरण के लिए, यदि कोई व्यक्ति हमारे प्रति अच्छा व्यवहार नहीं करता, तो हमें उससे अपेक्षाएँ रखने के बजाय अपने दृष्टिकोण को बदलना चाहिए। अगर हम धैर्य, समझदारी और सहनशीलता अपनाएँगे, तो रिश्ते बेहतर होंगे और अनावश्यक तनाव से बचा जा सकेगा।

अक्सर हम जीवन में अपनी खुशियों, सफलता और संतोष के लिए दूसरों पर निर्भर रहते हैं। हमें लगता है कि अगर लोग हमारे अनुसार व्यवहार करेंगे, तो हमारा जीवन बेहतर होगा और हमें किसी तरह की परेशानी का सामना नहीं करना पड़ेगा। हम अपेक्षा करते हैं कि लोग हमें समझें, हमारा सम्मान करें और हमारे प्रति हमेशा सकारात्मक रहें। लेकिन जब हमारी ये उम्मीदें पूरी नहीं होतीं, तो हम निराशा, क्रोध और तनाव से घिर जाते हैं। असल में, समस्या दूसरों में नहीं, बल्कि हमारी सोच में होती है, क्योंकि हम बाहरी परिस्थितियों को नियंत्रित नहीं कर सकते, लेकिन अपने भीतर बदलाव लाकर हम अपने जीवन को सरल और खुशहाल बना सकते हैं। अगर हम दूसरों से उम्मीद करने के बजाय खुद को बदलना सीख लें, तो हम मानसिक शांति और आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ सकते हैं। जब हम खुद में बदलाव लाते हैं, तो हमारे दृष्टिकोण और परिस्थितियों में भी सुधार होता है। उदाहरण के लिए, यदि कोई व्यक्ति हमारे प्रति अच्छा व्यवहार नहीं करता या हमें अपमानित करता है, तो हमें उससे अपेक्षाएँ रखने के बजाय अपने

दृष्टिकोण को बदलना चाहिए। अगर हम धैर्य, समझदारी और सहनशीलता अपनाएँगे, तो न केवल हमारे रिश्ते बेहतर होंगे, बल्कि हम अनावश्यक तनाव और मानसिक बोझ से भी मुक्त हो जाएँगे। जब हम अपने दृष्टिकोण को सकारात्मक रखते हैं, तो हमारे आस-पास की नकारात्मकता भी हमें प्रभावित नहीं कर पाती। खुद को बदलने का अर्थ यह नहीं है कि हम दूसरों की गलतियों को स्वीकार करें, बल्कि इसका अर्थ यह है कि हम अपनी सोच को इस तरह विकसित करें कि कोई भी नकारात्मक स्थिति हमारे मन की शांति को भंग न कर सके। इस विचार का सबसे बड़ा लाभ यह है कि यह हमें आत्मनिर्भर बनाता है और हमें अपने जीवन का वास्तविक नियंत्रण देता है। जब हम अपनी सोच, आदतें और दृष्टिकोण में सकारात्मक बदलाव लाते हैं, तो हम किसी और पर निर्भर नहीं रहते और खुद को परिस्थितियों के अनुसार ढालने में सक्षम हो जाते हैं। इससे जीवन में संतोष और सफलता दोनों प्राप्त होते हैं, क्योंकि हम अपने प्रयासों और मानसिक शांति पर ध्यान केंद्रित कर पाते हैं। आत्मनिर्भर व्यक्ति बाहरी परिस्थितियों से प्रभावित हुए बिना अपने लक्ष्य की ओर बढ़ता है और अपनी खुशियों का स्वयं निर्माता बनता है। इसलिए, दूसरों से उम्मीद करने के बजाय, अपने भीतर बदलाव लाकर जीवन को सरल और सुखद बनाइए, क्योंकि यही आत्म-सम्मान और सच्ची सफलता की कुंजी है।

जीवन ऊर्जा

आनंद मोहन चक्रवर्ती : जन्म 4 अप्रैल 1938 | जन्म

नवाचार ही भविष्य को रोशन करता है

आनंद मोहन चक्रवर्ती एक प्रसिद्ध भारतीय-अमेरिकी सूक्ष्मजीवविज्ञानी थे, जिनका जन्म 4 अप्रैल 1938 को पश्चिम बंगाल में हुआ था। उन्होंने जेनेटिक इंजीनियरिंग के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान दिया और पहला कृत्रिम रूप से संशोधित जीवाणु विकसित कियाउनके इस शोध के कारण वे पहले वैज्ञानिक बने जिन्हें एक जीवित जीव पर पेटेंट मिला। उनका निधन 10 जुलाई 2020 को हुआ, लेकिन विज्ञान में उनके योगदान को सदैव याद किया जाएगा।

विज्ञान में नवाचार वह चिंगारी है जो भविष्य को प्रज्वलित करती है। सूक्ष्मजीवों की दुनिया में छोटे परिवर्तन भी बड़े प्रभाव डाल सकते हैं। प्रकृति के साथ तालमेल बिठाकर ही हम स्थायी पा सकते हैं। अनुसंधान की सच्ची शक्ति समस्याओं को पहचानने और उन्हें हल करने में निहित है। प्रत्येक प्रयोग एक नया द्वार खोलता है, जो हमें अज्ञात की ओर ले जाता है। जिज्ञासा वैज्ञानिक खोज की जननी है। पर्यावरण की रक्षा करना हमारा कर्तव्य ही नहीं, भी है। सूक्ष्मजीव हमारे छोटे शिक्षक हैं, जो हमें जीवन के बड़े पाठ सिखाते हैं। नवाचार वह उपकरण है जिससे हम भविष्य

का निर्माण करते हैं। विज्ञान और समाज के बीच सेतु बनाना प्रत्येक वैज्ञानिक का दायित्व है। प्रकृति की गहराई में उत्तर छिपे हैं; हमें केवल सही प्रश्न पूछने की आवश्यकता है। प्रत्येक जीवाणु की अपनी कहानी होती है, जो हमें जीवन के रहस्यों को समझने में मदद करती है। सतत विकास के लिए वैज्ञानिक समाधान आवश्यक हैं। प्रयोगशाला में की गई खोजें तभी मूल्यवान हैं जब वे समाज की भलाई में योगदान दें। विज्ञान का उद्देश्य केवल ज्ञान प्राप्त करना नहीं, बल्कि उस ज्ञान का उपयोग मानवता की सेवा में करना है। प्राकृतिक संसाधनों का सम्मान और संरक्षण करना हमारी प्राथमिकता होनी चाहिए। सूक्ष्मजीव विज्ञान में हर दिन एक नया रोमांच है।नवाचार और नैतिकता साथ-साथ चलने चाहिए।विज्ञान की सच्ची सुंदरता उसकी असीम संभावनाओं में है। हमारी सबसे बड़ी चुनौतियाँ हमें हमारी सबसे बड़ी खोजों की ओर ले जाती हैं।

सर्वसिद्ध श्री बगलामुखी तारा महाशक्ति पीठ बिजाना शाजापुर मध्य प्रदेश

सबके दाता राम

मलूकदास जी कर्मयोगी संत थे। स्वाध्याय, सत्संग व भ्रमण से उन्होंने जो व्यावहारिक ज्ञान प्राप्त किया उसका मुकाबला किताबी ज्ञान नहीं कर सकता। शुरू में संत मलूकदास जी नास्तिक थे। साधुजी लोगों को रामायण सुनाते थे। प्रतिदिन सुबह-शाम गांव वाले उनका दर्शन करते और उनसे राम कथा का आनंद लेते। संयोग से एक दिन मलूकदास भी राम कथा में पहुंचे। उस समय साधु महाराजा ग्रामीणों को श्रीराम की महिमा बताते कह रहे थे- श्रीराम संसार के सबसे बड़े दाता हैं। वह भूखों को अन्न, नंगों को वस्त्र और आश्रयहीनों को आश्रय देते हैं। मलूकदास ने भी साधु की यह बात सुनी पर उनके पल्ले नहीं पड़ी।

उन्होंने अपना विरोध जताते तर्क किया-क्षमा करे महात्मन ! यदि मैं चुपचाप बैठकर राम का नाम लूँ, कोई काम न करूँ तब भी क्या राम भोजन देंगे ? साधु ने पूरे विश्वास के साथ कहा- अवश्य देंगे। उनकी दृढ़ता से मलूकदास के मन में एक और प्रश्न उभरा तो पूछ बैठे- यदि मैं घनघोर जंगल में अकेला बैठ जाऊं, तब ? मलूकदासजी पहुँच गए जंगल में और एक घने पेड़ के ऊपर चढ़कर बैठ गए। चारों तरफ ऊंचे-ऊंचे पेड़ थे। कंटीली झाड़ियां थीं। दूर-दूर तक फैले जंगल में धीरे-धीरे खिसकता हुआ सूर्य पश्चिम की पहाड़ियों के पीछे छुप गया।

अगले दिन दूसरे पहर घोर सन्नाटे में मलूकदास को घोड़ों की टापों की आवाज सुनाई पड़ी। वह सतर्क होकर बैठ गए। थोड़ी देर में कुछ राजकीय अधिकारी उधर आते हुए दिखे। वे सब उसी पेड़ के नीचे घोड़ों से उतर पड़े। उन्होंने भोजन का मन बनाया। उसी समय जब एक अधिकारी थैले से भोजन का डिब्बा निकाल रहा था, शेर की जबर्दस्त दहाड़ सुनाई पड़ी। अधिकारियों ने पहले तो स्तब्ध होकर एक-दूसरे को देखा, फिर भोजन छोड़ कर वे भी भाग गए। मलूकदास पेड़ से ये सब देख रहे थे। वह शेर की प्रतीक्षा करने लगे। मगर दहाड़ता हुआ शेर दूसरी तरफ चला गया। मलूकदास को लगा, श्रीराम ने उसकी सुन ली है अन्यथा इस घनघोर जंगल में भोजन कैसे पहुँचता ? मगर मलूकदास तो मलूकदास ठहरे। उतरकर भला स्वयं भोजन क्यों करने लगे। वह तो भगवान श्रीराम को परख रहे थे। तीसरे पहर में डाकुओं का एक बड़ा दल उधर से गुजरा। पेड़ के नीचे चमकदार चांदी के बर्तनों में विभिन्न प्रकार के व्यंजनों के रूप में पड़े भोजन को देख कर डाकू ठिठक गए। डाकुओं के सरदार ने कहा- भगवान श्रीराम की लीला देखो। हम लोग भूखे हैं और भोजन की प्रार्थना कर रहे थे। इस निर्जन वन में सुंदर डिब्बों में भोजन भेज दिया। इसे खा लिया जाए तो आगे बढ़ें। एक साथी ने सावधान किया- सरदार, इस सुनसान जंगल में इतने सजे-धजे तरीके से सुंदर बर्तनों में भोजन का मिलना मुझे तो रहस्यमय लग रहा है, कहीं इसमें विष न हो। चल उतर सरदार की कड़कती आवाज सुनकर मलूकदास डर गए मगर उतरे नहीं। वहीं से बोले- व्यर्थ दोष क्यों मंढ़ते हो ? भोजन में विष नहीं है। सरदार ने आदेश दिया- पहले पेड़ पर चढ़कर इसे भोजन कराओ। झूठ-सच का पता अभी चल जाता है। आनन-फानन में तीन-चार डाकू भोजन का डिब्बा उठाए पेड़ पर चढ़ गए और छुरा दिखा कर मलूकदास को खाने के लिए विवश कर दिया। मलूकदास ने स्वादिष्ट भोजन कर लिया। फिर नीचे उतरकर डाकुओं को पूरा किस्सा सुनाया। डाकुओं ने उन्हें छोड़ दिया। वह स्वयं भोजन से भाग रहे थे लेकिन प्रभु की माया ऐसी रही कि उन्हें बलात भोजन करा दिया। इस घटना के बाद मलूकदास ईश्वर के पक्के भक्त हो गए। गाँव लौटकर मलूकदास ने सर्वप्रथम एक दोहा लिखा।

अजगर करे न चाकरी पंछी करे न काम।
दास मलूका कह गए सबके दाता राम॥

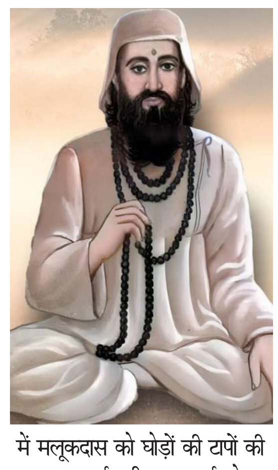

पंडित कैलाशचंद्र शर्मा
वैदिक सनातन संस्कृति के प्रचारक व सर्व सिद्ध श्री बगलामुखी तारा महाशक्ति पीठ के संस्थापक।
मो. नं. 9425980556

अपने विचार

कभी हमसे कहती है कि हम हिंदुत्व से भटक गए हैं और फिर उसी की तरफ से उनको सौगात-ए-मोदी की भेंट दी जाती है। अगर भाजपा को मुसलमान नापसंद हैं तो उसे अपनी पार्टी के झंडे से हरा रंग हटा देना चाहिए।

-उद्धव ठाकरे, शिवसेना(यूबीटी) प्रमुख

ये गलतियों को सुधारने का अवसर था, अपने इतिहास संभालने का, विचारधारा को जिंदा रखने का. इसके लिए बालासाहेब ठाकरे ने कभी आंदोलन किया था. लेकिन अफसोस कि यूबीटी वालों ने पहले इस विचारधारा को बुलडोजर कर दिया ।

-श्रीकांत शिंदे, सांसद, शिवसेना(शिंदे)

कल, वक्फ संशोधन विधेयक, लोकसभा में पारित किया गया था, . विधेयक को प्रभावी रूप से जबरन पारित किया गया. यह विधेयक हमारे समाज को स्थायी रूप से तोड़ने की भाजपा की सोची-समझी रणनीति का हिस्सा है.

-सोनिया गांधी ,नेता,कांग्रेस

मुझे कुछ मत दीजिए। मैं सिर्फ प्यार और सम्मान चाहता हूं। मेरे पैर न छुएं। आजकल के नेता पैर छूने के लायक नहीं हैं। माता-पिता और चाचा के आशीर्वाद से मैं ठीक हूं। मुझे सिर्फ आपका प्यार और आपसी सम्मान चाहिए।

-अजित पवार, डिप्टी सीएम, महाराष्ट्र

अपने विचार
डीबीडी कार्यालय
ग्राउंड फ्लोर, ऑफिस नं. 2, के. के. चैम्बर्स, पुरुषोत्तमदास ठाकरदास रोड, फोर्ट, मुंबई- 400001
indiagroundreport@gmail.com
भेज सकते हैं।

यह अखबार "माध्यम कार्पोरेट सर्विसेज लि. " के लिए प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक अरुण लाल द्वारा ग्राउंड फ्लोर, ऑफिस नं. 2, के. के. चैम्बर्स, पुरुषोत्तमदास ठाकरदास रोड, फोर्ट, मुंबई- 400001 से प्रकाशित एवं सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, गाला नं. 4, एन.के.इंडस्ट्रियल इस्टेट, इनसाइड प्रवासी इंडिस्ट्रयल इस्टेट गेट नं. 2, गोरेगांव पू., मुंबई-63 से मुद्रित। फोन नं. 022-66555719 ईमेल : indiagroundreport@gmail.com **कार्यकारी संपादक :** अमित बृज (पी.आर.बी. अधिनियम के अंतर्गत खबरों के चयन के लिए जि्मेदार)।

नेरल स्टेशन और कल्याण और बदलापुर के बीच विशेष ब्लॉक

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

मध्य रेल, मुंबई मंडल, 06 अप्रैल को 08.30 बजे से 14.30 बजे तक नेरल स्टेशन पर इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग कमिशनिंग हेतु विशेष ब्लॉक परिचालित करेगा। इसकी वजह से बदलापुर और कर्जत स्टेशनों के बीच 11.30 बजे से 14.30 बजे तक उपनगरीय सेवाएं उपलब्ध नहीं होंगी।

बदलापुर स्टेशन पर शॉर्ट टर्मिनेट

बदलापुर स्टेशन पर शॉर्ट टर्मिनेट की गई लोकल ट्रेनों में सीएसएमटी-कर्जत लोकल एस-17 (09 :57 बजे प्रस्थान), एस-19 (10 :36 बजे प्रस्थान), एस-21 (11 :14 बजे प्रस्थान), ठाणे-कर्जत लोकल टीएस-5 (12 :05 बजे प्रस्थान) और सीएसएमटी-खोपोली लोकल केपी-5 (12 :20 बजे प्रस्थान) शामिल हैं। इसके अलावा, सीएसएमटी-कर्जत लोकल एस-15, जो 09 :30 बजे सीएसएमटी से प्रस्थान करेगी, अंबरनाथ स्टेशन पर शॉर्ट टर्मिनेट की जाएगी।

बदलापुर स्टेशन से शॉर्ट ऑरिजनेट

बदलापुर स्टेशन से शॉर्ट ऑरिजनेट होने वाली ट्रेनों में कर्जत-सीएसएमटी लोकल एस-26 (11 :25 बजे प्रस्थान), एस-28 (12 :00 बजे प्रस्थान), एस-30 (12 :23 बजे प्रस्थान), एस-32 (13 :00 बजे प्रस्थान) और कर्जत-ठाणे लोकल टीएस-2 (13 :27 बजे प्रस्थान) शामिल हैं। इसके अलावा, कर्जत-सीएसएमटी लोकल एस-34, जो कर्जत से 13 :55 बजे प्रस्थान करने वाली थी, अंबरनाथ स्टेशन से शॉर्ट ऑरिजिनेट होगी।

डाउन मेल/एक्सप्रेस ट्रेनों का रेगुलेशन

ट्रेन संख्या 22159 सीएसएमटी-चेन्नई एक्सप्रेस को 14 :11 बजे से 14 :30 बजे तक वांगनी स्टेशन पर रोका जाएगा, जबकि ट्रेन संख्या 17222 एलटीटी-काकीनाडा एक्सप्रेस 15 से 20 मिनट की देरी से चलेगी।

अप मेल/एक्सप्रेस ट्रेनों का डायवर्जन

अप मेल/एक्सप्रेस ट्रेनों का डायवर्जन किया गया है, जिसके तहत ट्रेन संख्या 11014 कोयंबटूर-एलटीटी एक्सप्रेस, ट्रेन संख्या 12164 चेन्नई-एलटीटी एक्सप्रेस और ट्रेन संख्या 12493 मिरज-हजरत निजामुद्दीन एक्सप्रेस को कर्जत-पनवेल मार्ग से डायवर्ट किया जाएगा। साथ ही, कल्याण से चढ़ने/उतरने वाले यात्रियों की सुविधा के लिए इन ट्रेनों का पनवेल और ठाणे स्टेशनों पर ठहराव दिया जाएगा।

कल्याण और बदलापुर के बीच पावर ब्लॉक

मध्य रेल, मुंबई मंडल दिनांक 05/06.04.2025 (शनिवार/रविवार रात्रि के समय) को कल्याण और बदलापुर के बीच नए पाइपलाइन पुल के निर्माण के लिए दो सड़क क्रेन का उपयोग करके किलोमीटर 62/880 पर मौजूदा रोड ओवर ब्रिज (आरओबी) के 4 गर्डरों को हटाने के लिए अप और डाउन साउथ-ईस्ट लाइनों पर विशेष यातायात और पावर ब्लॉक परिचालित करेगा। यह ब्लॉक दिनांक 06.04.2025 (शनिवार / रविवार मध्य रात्रि) के 01.30 बजे से दिनांक 06.04.2025 (रविवार सुबह) के 04.30 बजे के बीच अंबरनाथ और बदलापुर के बीच परिचालित किया जाएगा।

ब्लॉक के कारण होने वाले परिवर्तन:

अप मेल/एक्सप्रेस ट्रेनों का डायवर्जन

ट्रेन संख्या 11020 भुवनेश्वर-सीएसएमटी कोणार्क एक्सप्रेस, 18519 विशाखापत्तनम-एलटीटी एक्सप्रेस, 12702 हैदराबाद-सीएसएमटी हुसैनसागर एक्सप्रेस, 11140 होसपेटे-सीएसएमटी एक्सप्रेस और 22158 चेन्नई-सीएसएमटी एक्सप्रेस को कर्जत-पनवेल-दिवा मार्ग से डायवर्ट किया जाएगा। कल्याण जाने वाले यात्रियों की सुविधा के लिए इन ट्रेनों को ठाणे में ठहराव दिया जाएगा।

अप मेल/एक्सप्रेस ट्रेनों का रेगुलेशन

ट्रेन संख्या 22178 सिकंदराबाद-राजकोट एक्सप्रेस को वांगनी स्टेशन पर 04 :10 बजे से 04 :30 बजे तक रोका जाएगा, जबकि ट्रेन संख्या 11022 तिरुनेलवेली-दादर एक्सप्रेस को नेरल स्टेशन पर 04 :17 बजे से 04 :27 बजे तक रेगुलेट किया जाएगा। परिचालन आवश्यकताओं के अनुसार कुछ मेल/एक्सप्रेस ट्रेनें व हॉलिडे स्पेशल ट्रेनों को डायवर्ट किया जाएगा।

ब्लॉक अवधि के दौरान उपनगरीय ट्रेनों का परिचालन अंबरनाथ और कर्जत स्टेशनों के बीच उपनगरीय सेवाएं उपलब्ध नहीं होंगी।

उपनगरीय ट्रेनों का विस्तार/शॉर्ट टर्मिनेशन/शॉर्ट ओरिजिनेशन

परेल से 23 :13 बजे रवाना होने वाली पीए3 परेल-अंबरनाथ लोकल को बदलापुर तक विस्तारित किया जाएगा। 23 :51 बजे सीएसएमटी से रवाना होने वाली बीएल61 सीएसएमटी-बदलापुर लोकल की यात्रा अंबरनाथ में समाप्त होगी। 00 :12 बजे सीएसएमटी से रवाना होने वाली एस1 सीएसएमटी-कर्जत लोकल की यात्रा अंबरनाथ में समाप्त होगी। 02 :30 बजे कर्जत से रवाना होने वाली एस2 कर्जत-सीएसएमटी लोकल अंबरनाथ से 03 :10 बजे शॉर्ट ओरिजिनेट होगी। कर्जत-सीएसएमटी स्पेशल ट्रेन कर्जत से 04 :10 बजे रवाना होकर 06 :08 बजे सीएसएमटी पहुंचेगी।

कुलगांव बदलापुर नगर परिषद ने 70.13 करोड़ रुपये का किया कर संग्रह

डीबीडी संवाददाता | बदलापुर

कुलगांव बदलापुर नगर परिषद ने वित्तीय वर्ष 2024-25 में 70.13 करोड़ रुपये की कर वसूली की है। मुख्य अधिकारी के निर्देश पर संपत्ति कर विभाग ने 1,36,678 संपत्ति मालिकों से कर संग्रह किया, जिसमें 1,21,671 आवासीय, 14,365 वाणिज्यिक और 642 औद्योगिक संपत्तियां शामिल थीं। इस साल ऑनलाइन भुगतान में भी उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। नगर परिषद ने 16.45 करोड़ रुपये की वसूली डिजिटल माध्यम से की, जो डिजिटल भुगतान की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

पिछले साल की तुलना में 56% वृद्धि

वित्तीय वर्ष 2023-24 में नगर परिषद ने 45 करोड़ रुपये की वसूली की थी, जबकि इस साल कर संग्रह में 56% की बढ़ोतरी दर्ज की गई है।

वसूली अभियान और संपत्ति जब्ती

27 फरवरी से 31 मार्च 2025 तक चलाए गए अभियान में नगर परिषद ने 8 उड़नदस्तों का गठन किया। इस दौरान 111 संपत्तियां जब्त की गईं और 1.71 करोड़ रुपये की संपत्तियों को कुर्क किया गया। इस अभियान से 10.36 करोड़ रुपये की वसूली की गई।

किन्नर कल्याण मंडल के अध्यक्ष होंगे मंत्री शिरसाट

राज्य मंत्री माधुरी मिसाल होंगी उपाध्यक्ष

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

राज्य किन्नर अधिकार संरक्षण और कल्याण मंडल के अध्यक्ष प्रदेश के सामाजिक न्याय मंत्री संजय शिरसाट होंगे। जबकि सामाजिक न्याय राज्य मंत्री माधुरी मिसाल सह अध्यक्ष होंगी। गुरुवार को राज्य सरकार के सामाजिक न्याय विभाग ने किन्नर अधिकार संरक्षण और कल्याण मंडल में सदस्यों की नियुक्ति के संबंध में शासनादेश जारी किया है। किन्नर कल्याण मंडल के उपाध्यक्ष राज्य के सामाजिक न्याय विभाग के प्रधान सचिव हर्षदीप कांबले होंगे। जबकि नांदेड़ की सान्वी जेठवानी सह उपाध्यक्ष होंगी।

विधायक सागर और मिटकरी बने सदस्य

वहीं किन्नर कल्याण मंडल के सदस्य भाजपा विधायक योगेश सागर और राकांपा (अजित) के विधायक अमोल मिटकरी बनाए गए हैं। इसके अलावा मुंबई की सलमा खान, ठाणे की डॉ. योगा नंबियार, नागपुर की रानी ढवले, कोल्हापुर की मयूरी आलवेकर, धुलिया की पार्वती जोगी, अमरावती की शीतल शेंडे, छत्रपति संभाजीनगर की अर्पिता भिसे, नागपुर के डॉ. आंबेडकर समता प्रतिष्ठान के प्रबंध निदेशक, राज्य एड्स कंट्रोल सोसायटी के निदेशक समेत विभिन्न सरकारी विभागों के अफसरों को सदस्य के रूप में शामिल किया गया है।

ऑनलाइन पीएपी प्रबंधन प्रणाली और कैलेंडर का अनावरण

झुग्गीवासियों को पारदर्शी आवास सुविधा मिलेगी

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

उपमुख्यमंत्री एवं आवास मंत्री एकनाथ शिंदे ने स्लम पुनर्वास प्राधिकरण (SRA) की विभिन्न नवीन पहलों का अनावरण किया। इसमें प्रमुख रूप से ऑनलाइन पीएपी (परियोजना प्रभावित व्यक्ति) प्रबंधन प्रणाली शामिल है, जिससे झुग्गीवासियों को आवास वितरण की प्रक्रिया अधिक पारदर्शी और सुगम होगी।

ऑनलाइन प्रक्रिया से लाभार्थियों को राहत

इस प्रणाली के माध्यम से पात्र झुग्गीवासियों को जिला परिषद (Z.P.) योजना के तहत अधिभोग प्रमाण पत्र प्राप्त होने के बाद आवास प्रदान किया जाएगा। ऑनलाइन लॉटरी और पीएपी आवंटन प्रक्रिया पूरी तरह पारदर्शी होगी। झुग्गीवासी अब प्राधिकरण की वेबसाइट पर आवेदन कर अपने स्टेटस की जानकारी घर बैठे प्राप्त कर सकते हैं।

नवाचार के तहत क्रियान्वयन

बृहन्मुंबई के मुख्य कार्यकारी अधिकारी डॉ. महेंद्र कल्याणकर की अभिनव अवधारणा और कुशल मार्गदर्शन में इस योजना को लागू किया जा रहा है, जिससे झुग्गी पुनर्वास की प्रक्रिया और अधिक प्रभावी होगी।

कैलेंडर और डायरी का भी प्रकाशन

इसके अतिरिक्त, प्राधिकरण द्वारा तैयार किए गए कैलेंडर और डायरी का भी अनावरण किया गया। इस अवसर पर आवास विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव वलसा नायर सिंह, नगरीय विकास विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव असीम कुमार गुप्ता, उपमुख्यमंत्री के प्रधान सचिव नवीन सोना और SRA के मुख्य कार्यकारी अधिकारी डॉ. महेंद्र कल्याणकर सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

भिवंडी तालुका में ठाणे कचरा डंपिंग का विरोध

7 अप्रैल को उग्र प्रदर्शन की चेतावनी

डीबीडी संवाददाता | भिवंडी

ठाणे शहर का कचरा अब भिवंडी तालुका के पडघा के पास अटाकोली गांव में डंप किए जाने से स्थानीय लोगों में भारी आक्रोश फैल गया है। इस मुद्दे पर पंचक्रोशी संघर्ष समिति ने विरोध जताते हुए 7 अप्रैल को उग्र आंदोलन की चेतावनी दी है। संघर्ष समिति के संयोजक रमेश शेलार ने एक संवाददाता सम्मेलन में बताया कि ठाणे मनपा द्वारा प्रतिदिन 100 से अधिक वाहनों से हजारों टन कचरा डंप किया जा रहा है, जिससे दुर्गंध फैल रही है और स्थानीय लोगों का दम घुट रहा है।

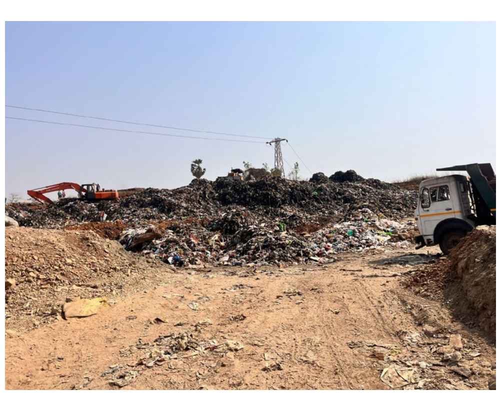

गांवों पर असर और स्थानीय आक्रोश

इस डंपिंग ग्राउंड से अटाकोली, भदाणे, जू पाडा, चिंबी पाडा, शेरेकर पाडा, बांद्रा, सोर, पिसे, किरवली, तलवली, वाफले सहित 32 गांव प्रभावित हो रहे हैं। इस क्षेत्र में मुंबई-वडोदरा हाईवे और समृद्धि हाईवे गुजरते हैं। यहां अंतरराष्ट्रीय कंपनियों के वेयरहाउस, मुंबई क्रिकेट एसोसिएशन का प्रस्तावित स्टेडियम, ठाणे ग्रामीण पुलिस मुख्यालय और पाईस बांध जैसे महत्वपूर्ण स्थल हैं। प्रकाश भोईर ने सरकार पर आरोप लगाते हुए कहा कि इस क्षेत्र में लाखों लोग रोजगार के लिए आते हैं, लेकिन सरकार उनके स्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ कर रही है। संघर्ष समिति के कानूनी सलाहकार संदीप जाधव ने सवाल उठाया कि क्या सरकार को ठाणे मनपा को यह जमीन देते समय स्थानीय ग्राम पंचायत से अनुमति लेने की जरूरत नहीं महसूस हुई? उन्होंने आरोप लगाया कि ठाणे मनपा ने प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड से उचित अनुमति लिए बिना ही कचरा डंपिंग शुरू कर दी। संघर्ष समिति ने मुख्यमंत्री, उपमुख्यमंत्री और कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा है और 7 अप्रैल को उग्र विरोध प्रदर्शन करने की चेतावनी दी है।

कैसे शुरू हुआ विवाद?

जब ठाणे मनपा के शील डायघर डंपिंग ग्राउंड की भंडारण क्षमता समाप्त हो गई, तो सरकार ने भिवंडी तालुका के अटाकोली गांव (सर्वे नंबर 4, 5, 13 और 14) में 34.72 हेक्टेयर भूमि ठाणे मनपा को कचरा डंपिंग के लिए सौंप दी। स्थानीय लोगों का आरोप है कि बिना ग्राम पंचायत की अनापत्ति और पर्यावरणीय मंजूरी के यह डंपिंग ग्राउंड शुरू किया गया।

2024-25 में 325.93 किमी ट्रैक कमीशनिंग पूरी

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

वित्त वर्ष 2024-25 के दौरान मध्य रेलवे ने बुनियादी ढांचे और मल्टी-ट्रैकिंग कार्यों में उल्लेखनीय सफलता हासिल की। रेलवे ने 325.93 किलोमीटर ट्रैक की कमीशनिंग पूरी कर अपनी प्रतिबद्धता साबित की। इसमें रेलवे संरक्षा आयुक्त (सीआरएस) द्वारा 258.44 किलोमीटर ट्रैक को मंजूरी दी गई, जबकि 67.49 किलोमीटर ट्रैक पर इंजन ट्रायल सफलतापूर्वक पूरा किया गया।

मुख्य यातायात सुविधा कार्य पूरे

सीएसएमटी स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर 10/11 और 12/13 को 24 कोच वाली ट्रेनों के अनुकूल बनाने के लिए विस्तारित किया गया। साथ ही यार्ड रीमॉडलिंग और इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग का प्रावधान किया गया। कसारा यार्ड के अप और डाउन लाइनों में 3-3 रीसीट और डिस्पैच लाइनों का विस्तार किया गया। प्लेटफॉर्म नंबर 1 और 2 का चौड़ीकरण भी किया गया।

गैर-इंटरलॉकिंग कार्य

सीएसएमटी, खंडवा, सिंदी, पुणतांबा, पचोरा, भांदक, सेलू रोड, हिंगणघाट और चिकनी रोड सहित 9 प्रमुख यार्डों की रीमॉडलिंग की गई। कसारा, चालीसगांव और गोधनी यार्डों में बदलाव किए गए।

नई परियोजनाएं और पुलों का निर्माण

रेलवे बोर्ड को 19 विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) प्रस्तुत की गई, जिनमें से 6 को मंजूरी मिल गई है, जबकि 13 की अंतिम स्वीकृति लंबित है। योजना शीर्ष (PH-30) के तहत 3 रोड ओवर ब्रिज (ROB) और 3 रोड अंडर ब्रिज (RUB) पूरे किए गए।

कूलर इस्तेमाल में विद्युत सुरक्षा का ध्यान रखें: महावितरण

डीबीडी संवाददाता | कल्याण/भांडुप

गर्मी के बढ़ते तापमान के साथ कूलरों का उपयोग बढ़ गया है, लेकिन सुरक्षा उपाय न अपनाने पर विद्युत दुर्घटनाओं की संभावना बनी रहती है। इसे ध्यान में रखते हुए, महावितरण ने नागरिकों से कूलर इस्तेमाल के दौरान विद्युत सुरक्षा के प्रति सतर्क रहने की अपील की है।

सुरक्षा के लिए अपनाएं ये उपाय

तीन-पिन प्लग का उपयोग करें। पानी भरने से पहले कूलर की बिजली आपूर्ति बंद करें और प्लग निकालें। पानी भरने के बाद ही प्लग लगाएं और स्विच चालू करें, फिर कूलर को न छुएं। कूलर की वायरिंग और कनेक्शन की नियमित जांच अधिकृत तकनीशियन से कराएं। अर्थिंग सही है या नहीं, इसकी जांच करवाएं ताकि लीकेज करंट से बचा जा सके। यदि पंप से पानी आ रहा हो, तो पहले बिजली आपूर्ति बंद करें, फिर कूलर को छुएं। गीले हाथों से कूलर को न छुएं।

राशिफल

प्रियंका जैन

मेष: पार्टी व पिकनिक का कार्यक्रम बन सकता है। स्वादिष्ट व्यंजनों का आनंद प्राप्त होगा। विद्यार्थी वर्ग सफलता हासिल करेगा। कारोबार में वृद्धि होगी। आय के नए स्रोत प्राप्त हो सकते हैं। नौकरी में कार्य की प्रशंसा होगी।

वृष: कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। काम में मन नहीं लगेगा। दूसरे आपसे अधिक की अपेक्षा करेंगे व्यापार-व्यवसाय लाभदायक रहेगा। दुःखद समाचार प्राप्त हो सकता है। वाणी में हल्के शब्दों के प्रयोग से बचें।

मिथुन: प्रयास सफल रहेंगे। पराक्रम वृद्धि होगी। सामाजिक कार्य करने का अवसर प्राप्त होगा। मान-सम्मान मिलेगा। कारोबार में वृद्धि होगी। निवेश शुभ रहेगा। नौकरी में कार्य की प्रशंसा होगी। आय में वृद्धि होगी।

कर्क: व्यवसाय ठीक चलेगा। आय में निश्चितता रहेगा।अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे। विवाद से स्वाभिमान को ठेस पहुंच सकती है। पुराना रोग उभर सकता है। जोखिम व जमानत के कार्य टालें।

सिंह: अप्रत्याशित लाभ हो सकता है। रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे। नौकरी में अधिकार वृद्धि हो सकती है। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। निवेश मनोनकूल रहेगा। घर-बाहर प्रसन्नता का वातावरण बनेगा।

कन्या: दूर से शुभ समाचार प्राप्त होंगे। आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे। घर में अतिथियों का आगमन होगा। प्रसन्नता तथा उत्साह बने रहेंगे। व्यापार-व्यवसाय मनोनुकूल लाभ देगा।

तुला: यात्रा में जल्दबाजी न करें। शारीरिक कष्ट संभव है। पुराना रोग उभर सकता है। वाहन व मशीनरी के प्रयोग में सावधानी रखें। हंसी-मजाक में हल्कापन न हो, ध्यान रखें। कीमती वस्तुएं इधर-उधर हो सकती हैं, संभालकर रखें।

वृश्चिक: धर्म-कर्म में रुचि रहेगी। कोर्ट व कचहरी के काम मनोनुकूल लाभ देंगे। किसी बड़े काम की रुकावट दूर होगी। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। व्यापार-व्यवसाय लाभदायक रहेगा। पारिवारिक सहयोग प्राप्त होगा।

धनु: नई योजना बनेगी। कार्यप्रणाली में सुधार होगा। मान-सम्मान मिलेगा। आय के नए स्रोत प्राप्त हो सकते हैं। व्यापार-व्यवसाय में मनोनुकूल लाभ होगा।

मकर: बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। व्यापार-व्यवसाय लाभदायक रहेगा। नौकरी में अनुकूलता रहेगी।

कुंभ: स्थायी संपत्ति के कार्य बड़ा लाभ दे सकते हैं। रोजगार में वृद्धि होगी। आय के नए साधन प्राप्त हो सकते हैं। भाग्योन्नति के प्रयास सफल रहेंगे। जीवन सुखमय व्यतीत होगा।

मीन: धनहानि की आशंका है। लेन-देन में जल्दबाजी न करें। थकान व कमजोरी रह सकती है। व्यापार व व्यवसाय ठीक चलेगा। नौकरी में चैन रहेगा। यात्रा मनोरंजक रहेगी।

बुधग्रह दोष एवम निवारण

सौरमंडल में नवग्रह पाए जाते है। इन नवग्रहों में सात ग्रहों के अपने पिंड किन्तु राहू तथा केतु का कोई पिंड नहीं है। इन्हें छाया ग्रह माना गया है। इन नवग्रहों में एक ग्रह बुधग्रह है। यह सौरमंडल का सबसे छोटा ग्रह है। इसे ग्रहों में राजकुमार का पद प्राप्त है। यह वाणी, विद्या एवम बुद्धि का प्रतिक है। इसे नपुंसक ग्रह माना गया है। इसकी जाति शुद्र तत्व पृथ्वी तथा उतर दिशा का मालिक है। यह ग्रह मिथुन तथा कन्या राशि का स्वामी है। इस ग्रह का रंग हरा होता है ।यह एक बहुत ही सोम्य और सरल ग्रह है । इस ग्रह के अधिपति देवता गणेश जी माने जाते है। पुराणों में इनके पिता का नाम चन्द्रमा तथा माता का नाम तारा है। ब्रह्माजी ने इनकी बुद्धि तेज होने के कारण इनका नाम बुध रखा। बुधग्रह कन्या राशि में उच्च का तथा मीन राशि में नीच का होता है। इसका अधिकार कंधे व ग्रीवा पर रहता है। वृष,तुला तथा सिंह इसकी मित्र एवम कर्क

प्रियंका जैन
9769994439

इसकी शत्रु राशि है। शुक्र के साथ राजस तथा चन्द्रमा के साथ यह ग्रह शत्रुवत व्यवहार करता है। अपने भाव से सातवे भाव को पूर्ण दृष्टि से देखता है। राहु, शनि, मंगल एवम केतु के साथ अशुभ फल देता है। अश्लेषा, ज्येष्ठा और रेवती इनके नक्षत्र है। बुधग्रह व्यापार का भी कारक होता है। इसकी महादशा 17 वर्ष की होती है। जब बुधग्रह उच्च का होता है तब वह जातक को समाज में सम्मान प्राप्त कराता है। जिस व्यक्ति की राशी में बुध उच्च का होता है वह व्यक्ति कुशल सम्पादक प्रसिद्ध लेखक, कवि एवम सचिव या सलाहकार होता है। शास्त्रों के सम्बन्ध में तर्क करने की शक्ति रखता है। उस व्यक्ति में निरंतर कार्य करने की क्षमता होती है, परन्तु यदि बुधग्रह किसी व्यक्ति की राशी में नीच का हो तो व्यक्ति अपने भाई बन्धुओ द्वारा अपमानित किया जाता है। बुध अगर कुंडली में कमजोर हो तो पारिवारिक जीवन को प्रभावित करता है और जातक की शादी लेट होती है कभी कभी होती ही नहीं, शादी शुदा जिन्दगी में भी शारीरिक सुखो में कमी आती है पति और पत्नी भी आपस में एक दुसरे के सामने झूठ बोलते है व आपस में काफी मनमुटाव होता है कलेश चलता रहता है और कभी कभी तो सम्बन्ध भी विच्छेद हो जाते है । अगर किसी का वैवाहिक जीवन कलेशमय हो तो समझना की बुध ग्रह कुंडली में कमजोर है । बुध के मजबूत होने से धन धन्य की कमी नही रहती ।

पटना में वोटिंग प्रतिशत बढ़ाने को लेकर चलेगा कैंपेन

पटना। विधानसभा चुनाव 2025 में पटना जिले में वोटिंग 10 प्रतिशत अधिक हो, इसे लेकर कवायद शुरू हो गयी है। खासकर शहरी क्षेत्र दीघा, बांकीपुर व कुम्हरार में रैली निकालकर वोटरों को जागरूक किया जायेगा। इसके अलावा 18 साल के युवाओं को वोटर लिस्ट में शामिल करने के लिए कॉलेजों में अभियान चलाने के साथ डोर टू डोर संपर्क किया जायेगा।

उत्तराखंड सचिवालय में ठप पड़ा ई-फाइलिंग का काम

देहरादून: उत्तराखंड सचिवालय में गुरुवार को ई-फाइलिंग का काम पूरी तरह से ठप रहा। ई-ऑफिस एप्लीकेशन के अपग्रेडेशन का काम होने के चलते शासन में कोई काम नहीं हो पा रहा है। खास बात ये है कि अपग्रेडेशन के चलते आने वाले 24 घंटे में भी ई-ऑफिस एप्लिकेशन के चलने की संभावना कम है, ऐसे में जरूरी फाइलों को मैनुअल ही चलाया जा रहा है।

8 अप्रैल को झारखंड कैबिनेट की बैठक

रांची। झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की अध्यक्षता में 08 अप्रैल 2025 को कैबिनेट की बैठक बुलायी गयी है। दोपहर 1 बजे से प्रोजेक्ट भवन में कैबिनेट की बैठक शुरू होगी। इस बैठक में कई अहम प्रस्तावों पर मुहर लग सकती है। 25 मार्च 2025 को हुई झारखंड कैबिनेट की बैठक में मंईयां सम्मान योजना के सभी लाभुकों को राशि भेजने का निर्णय लिया गया था। आधार कार्ड के बैंक अकाउंट से लिंक नहीं रहने पर भी लाभुकों को 3 माह की राशि 7500 रुपए (प्रति माह 2500 रुपए की दर से) भुगतान करने के प्रस्ताव को मंजूरी दी गयी थी। आधार नंबर के बैंक खाता से लिंक नहीं होने के कारण शुरुआत में केवल 38.34 लाख लाभुकों को ही योजना के पैसे भेजे गये। 20.60 लाख लाभुकों के बैंक अकाउंट और आधार के लिंक न होने के कारण होल्ड पर रखा गया था।

रात्रि प्रहरी हत्याकांड के मुख्य आरोपी समेत 2 गिरफ्तार

लातेहारः लातेहार जिले के सदर थाना क्षेत्र में उलगड़ा स्थित औरंगा नदी पर पुल निर्माण कार्य में लगे रात्रि प्रहरी बालगोविंद साव की हत्या के मुख्य आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तार आरोपियों के पास से 2 सिंगल शॉट राइफल, 8 एमएम के 2 बुलेट, एक खोखा, मृतक का मोबाईल फोन और पर्चा बरामद किया गया है। गिरफ्तार आरोपियों में झारखंड संघर्ष जनमुक्ति मोर्चा का प्रदीप सिंह और उसका सहयोगी किशुन भगत शामिल है।

आस्ताचलगामी सूर्य को दिया गया अर्घ्य

आज उदयाचलगामी भगवान भास्कर को अर्घ्य देकर होगा महापर्व का समापन

एजेंसी । पटना

लोक आस्था के चार दिवसीय महापर्व चैती छठ के तीसरे दिन पूरे बिहार में श्रद्धालुओं ने आस्ताचलगामी सूर्य को अर्घ्य अर्पित किया। इस दौरान घाटों पर भक्तों का विशाल जनसैलाब उमड़ पड़ा। मसौढ़ी के मणिचक धाम और शिवहर के प्रमुख घाटों पर भक्तिमय माहौल रहा। छठ घाटों पर सुरक्षा, स्वच्छता और यातायात व्यवस्था को लेकर प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद दिखा।

मसौढ़ी के मणिचक धाम पर आस्था का सैलाब

मसौढ़ी का मणिचक सूर्य मंदिर छठ पर्व के लिए विशेष रूप से प्रसिद्ध है, जहां हर साल हजारों श्रद्धालु छठ करने आते हैं। चैती छठ के अवसर पर भी यहां भारी भीड़ उमड़ी। इस बार पूरे अनुमंडल में 80 घाटों को चिन्हित किया गया था, जिनमें 13 को अति संवेदनशील घोषित किया गया। मणिचक घाट, धनरूआ का बरनी घाट और पुनपुन घाट पर भक्तों की भारी भीड़ देखी गई। श्री विष्णु मंदिर कमेटी के सदस्य, स्थानीय प्रशासन और पुलिस पूरी तरह मुस्तैद दिखे।

श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा के विशेष इंतजाम

श्रद्धालुओं की सुरक्षा और सुविधा के लिए पूरे मसौढ़ी अनुमंडल में 80 घाट चिन्हित किए गए थे। यातायात को सुचारू रखने के लिए शहर में चार ड्रॉप आउट प्वाइंट और तीन पार्किंग स्थल बनाए गए। सभी प्रमुख घाटों पर सीसीटीवी कैमरों और पुलिस बल की तैनाती की गई थी। खासतौर पर मणिचक सूर्य मंदिर घाट पर छह मजिस्ट्रेटों की विशेष निगरानी रखी गई। सुरक्षा व्यवस्था के तहत जगह-जगह वॉच टावर और पुलिस कंट्रोल रूम स्थापित किए गए।

मणिचक सूर्य मंदिर की धार्मिक मान्यता

मसौढ़ी का मणिचक सूर्य मंदिर अपनी धार्मिक मान्यता के कारण लाखों श्रद्धालुओं को आकर्षित करता है। मान्यता है कि यहां छठ करने से संतान सुख की प्राप्ति होती है। इस कारण हर साल हजारों श्रद्धालु यहां छठ करने आते हैं।

छठ घाटों पर मेले जैसी रौनक

छठ पर्व के उत्साह के बीच शिवहर के घाटों पर मेले जैसा नजारा देखने को मिला। पछियारी पोखर पर विशेष चहल-पहल रही, जहां बच्चे और युवा चाट, पकौड़े, पानी पुरी और आइसक्रीम का आनंद लेते नजर आए। नगर परिषद ने पछियारी पोखर सहित जिले के पांच प्रमुख घाटों पर विशेष इंतजाम किए थे। सुरक्षा के मद्देनजर एसडीएम अविनाश कुणाल के नेतृत्व में दंडाधिकारी और सशस्त्र पुलिस बल तैनात रहा।

सूर्य देवता को किया नमन

वहीं, बिहार के शिवर में भी गुरुवार को चैती छठ का उल्लास देखने लायक था। नगर और ग्रामीण इलाकों में बने नदी घाटों, तालाबों और जलकुंडों पर श्रद्धालुओं ने सूर्य देवता को नमन कर अर्घ्य अर्पित किया। श्रद्धालुओं का दिनभर घाटों पर आना-जाना लगा रहा।

बिजली विभाग में तैनात 145 कर्मचारियों की नौकरी पर लटकी तलवार

- जनपद में निविदा व संविदा के पद पर 918 कर्मचारी काम कर रहे हैं
- तीन खंडों में किया जा रहा है कर्मचारियों की संख्या को कम

एजेंसी । इटावा

बिजली विभाग में निविदा के पद पर काम कर रहे कर्मचारियों की नौकरी पर तलवार लटक गई है। मुख्यालय से प्राप्त हुए आदेशों के बाद जनपद में कर्मचारियों की संख्या कम की जा रही है। वर्तमान में बिजली विभाग में निविदा व संविदा के पद पर 918 कर्मचारी कार्य कर रहे हैं, जिनमें से 145 कर्मचारियों को निकाले जाने की तैयारी विभाग ने कर ली है। बड़ी बात यह है कि जनपद में इतने कर्मचारी तैनात थे, उसके बाद भी बिजली व्यवस्था बेपटरी रहती थी, कई बार फाल्ट के बाद उसको दुरुस्त करने में एक या दो घंटे नहीं बल्कि 15 से 20 घंटे तक लग जाते हैं, ऐसे में कर्मचारियों की संख्या कम होना चिंताजनक है। हालांकि आदेश आने के बाद विभाग के द्वारा कर्मचारियों की सूची तैयार की जा रही है जिसके आधार पर कर्मचारियों को निकाला जाएगा। इन कर्मचारियों में खासतौर पर एसएसओ हेल्पर के पद को खत्म किया जा रहा है।

145 कर्मचारियों को किया जाएगा कार्यमुक्त

जनपद में तीन विद्युत खंड हैं जिनमें कुल मिलाकर 918 कर्मचारी निविदा व संविदा के पद पर कार्य कर रहे हैं। अब इन तीनों खंडों में से कुल 145 कर्मचारियों को विभाग से निकाला जाएगा और उन्हें कार्यमुक्त कर दिया जाएगा। विभाग के खंड प्रथम शहरी क्षेत्र में अभी 192 कर्मचारी कार्यरत हैं जिनमें से 32 कर्मचारियों को निकाला जाएगा, इसी प्रकार द्वितीय खंड में 360 में 49 व खंड तृतीय में 366 में से 64 कर्मचारियों को विभाग से बाहर किया जाएगा। इस प्रकार कुल 145 कर्मचारियों को हटाया जाएगा इसमें अधिकांश कर्मचारी वे शामिल हैं जो एसएसओ हेल्पर के पद र थे और अब ये पद विभाग के द्वारा खत्म किया जा रहा है।

जीएसटी कलेक्शन में देशभर में छत्तीसगढ़ टॉप पर

16 हजार करोड़ से ज्यादा की आय

रायपुरः जीएसटी राजस्व वृद्धि के मामले में पूरे देश में छत्तीसगढ़ टॉप पर है। वित्तीय वर्ष 2024-25 में प्रदेश ने कुल 16,390 करोड़ रुपए का जीएसटी राजस्व संग्रह कर देशभर में सबसे ज्यादा 18 प्रतिशत की वार्षिक वृद्धि दर दर्ज की है। इस क्रम में महाराष्ट्र 16% और तमिलनाडु 15% की वृद्धि दर के साथ क्रमशः दूसरे और तीसरे स्थान पर रहे।

मार्च 2025 में पहली बार 2000 करोड़ से ज्यादा का मासिक संग्रह

मार्च 2025 में छत्तीसगढ़ को SGST मद में 1,301।09 करोड़ की प्राप्ति हुई, जो कि मार्च 2024 की तुलना में 72 प्रतिशत अधिक है। यह पहली बार है जब राज्य ने SGST संग्रह में 1000 करोड़ का आंकड़ा पार किया है। मार्च 2025 में ही IGST मद में 756।73 करोड़ रुपए मिले जो पिछले वर्ष की तुलना में 10 प्रतिशत ज्यादा है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दौरे से पहले सीएम योगी ने लिया तैयारियों का जायजा, पहुंचे वाराणसी

एजेंसी । वाराणसी

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ 3 अप्रैल को एक दिवसीय वाराणसी दौरे पर पहुंचे हैं। इस दौरान वह पीएम मोदी के प्रस्तावित दौरे से संबंधित कार्यक्रम व कानून व्यवस्था, विभागीय परियोजनाओं को लेकर महत्वपूर्ण बैठक करेंगे। साथ ही काशी विश्वनाथ मंदिर में भी दर्शन पूजन करेंगे। वाराणसी के क्षेत्रीय विधायक और भारतीय जनता पार्टी के नेताओं ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का वाराणसी एयरपोर्ट पर जोरदार स्वागत किया।

विश्वनाथ मंदिर और काल भैरव मंदिर में करेंगे दर्शन पूजन

वाराणसी पहुंचे उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ काशी विश्वनाथ मंदिर में दर्शन करने के लिए पहुंचेंगे। इसके अलावा काशी कोतवाल काल भैरव मंदिर में भी दर्शन करने के लिए सीएम योगी आदित्यनाथ पहुंचेंगे। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री वाराणसी दौरे के दौरान काशी के प्रमुख धार्मिक स्थलों पर दर्शन पूजन करने के लिए जरूर पहुंचते रहे हैं।

1 दिवसीय वाराणसी दौरे पर सीएम योगी

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ प्रयागराज से वाराणसी पहुंचे। इस दौरान एयरपोर्ट पर भाजपा नेताओं ने उनका जोरदार स्वागत किया। इसके बाद वह सीधा प्रधानमंत्री मोदी के प्रस्तावित कार्यक्रम स्थल मेंहदीगंज पहुंचे जहां उन्होंने अधिकारियों से कार्यक्रम के बारे में जानकारी ली। इसके बाद यूपी सीएम वाराणसी के सर्किट हाउस में विभागीय अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों के साथ कानून व्यवस्था व विकास परियोजनाओं को लेकर अहम बैठक करेंगे। उत्तर प्रदेश मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का यह एक दिवसीय वाराणसी दौरा बेहद अहम माना जा रहा है।

यूपी में शराब से रिकॉर्ड तोड़ कमाई
2025-26 के लिए भी सरकार का पूरा प्लान तैयार

एजेंसी । लखनऊ

आबकारी विभाग को बीते वित्तीय वर्ष 2024-25 में शराब से 52,297.08 करोड़ रुपए की कमाई हुई है। प्रदेश में अवैध शराब की तस्करी को रोकने के लिए 1,12,279 मुकदमे दर्ज किए गए और 24,049 तस्करों को गिरफ्तार किया गया। इनमें से 5,557 तस्करों को जेल भेजा गया, जबकि अवैध शराब की आपूर्ति को लेकर 203 वाहनों को जब्त किया गया है। आबकारी राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) नितिन अग्रवाल ने बताया कि विभाग ने पिछले वित्तीय वर्ष में अभी तक का सबसे अधिक राजस्व एकत्र किया है। चालू वित्तीय वर्ष में सरकार ने विभाग को 63,000 करोड़ रुपए का राजस्व एकत्र करने का लक्ष्य दिया है। नई आबकारी नीति से आसानी के साथ यह लक्ष्य भी पूरा कर लिया जाएगा।

2023-24 में कितना था राजस्व?

उन्होंने बताया कि वर्ष 2023-24 में विभाग ने 45,570.47 करोड़ का राजस्व प्राप्त किया था। विभाग ने वर्ष 2023-24 की तुलना में बीते वर्ष 6726.61 करोड़ रुपए का अधिक राजस्व एकत्र किया। वहीं वर्ष 2022-23 में आबकारी विभाग ने 41,252.24 करोड़ रुपए का राजस्व एकत्र किया था। न्होंने बताया कि आबकारी विभाग ने नकली शराब के उत्पादन पर लगभग पूरी तरह से रोक लगा दी है। बीते वर्ष विभाग ने 7.04 लाख लीटर अवैध शराब बरामद की है। वहीं शराब व स्प्रिट के टैंकरों में डिजिटल लाक लगाने की व्यवस्था की गई है। साथ ही सभी डिस्टलरी में सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं। शराब की अपूर्ति करने वाले वाहनों में जीपीएस लगवाया गया है।

व्यापार जगत

ट्रंप की टैरिफ पॉलिसी से भारत के कई सेक्टर प्रभावित

नई दिल्ली। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की नई टैरिफ पॉलिसी से भारत के कई सेक्टरों पर असर पड़ने की संभावना है। जहां कुछ सेक्टरों को नुकसान झेलना पड़ सकता है, वहीं कुछ को फायदा मिलने की उम्मीद है।

फार्मा और मेटल सेक्टर को राहत

नई टैरिफ नीति में फार्मास्यूटिकल सेक्टर को टैरिफ से बाहर रखा गया है, जिससे डॉ. रेड्डीज, अरबिंदो फार्मा और सन फार्मा जैसी कंपनियों को राहत मिलेगी। इनके कुल राजस्व का 33-50% हिस्सा अमेरिका को निर्यात से आता है।

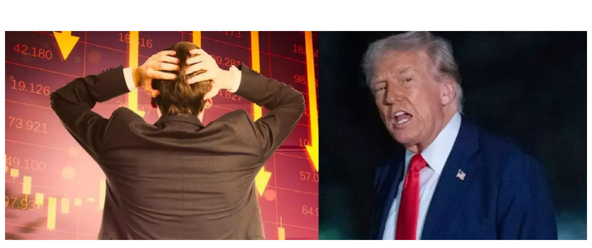

अपैरल सेक्टर को अप्रत्यक्ष लाभ

अमेरिका की नई नीति में भारत के अपैरल सेक्टर पर 26% टैरिफ लगाया गया है, लेकिन यह चीन (54%) और वियतनाम (46%) की तुलना में कम है। इससे भारतीय परिधान उद्योग के उत्पाद अमेरिकी बाजार में अपेक्षाकृत सस्ते होंगे, जिससे इस सेक्टर को फायदा मिलने की उम्मीद है। नई टैरिफ पॉलिसी में सर्विसेज सेक्टर को छूट दी गई है, जिससे आईटी सेक्टर पर सीधा असर नहीं पड़ेगा। हालांकि, यदि अमेरिका की अर्थव्यवस्था मंदी की चपेट में आती है, तो इसका असर भारतीय आईटी सर्विसेज के निर्यात पर भी पड़ सकता है। इस आशंका के कारण टीसीएस, टेक महिंद्रा, एचसीएल टेक और इंफोसिस के शेयरों में गिरावट देखी गई।

इलेक्ट्रॉनिक्स और जेम्स एंड ज्वेलरी सेक्टर को झटका

इलेक्ट्रॉनिक्स सेक्टर पर टैरिफ बढ़ने से भारत के निर्यात पर असर पड़ सकता है, क्योंकि अमेरिका भारत के इलेक्ट्रॉनिक्स निर्यात में 32% हिस्सेदारी रखता है। जेम्स एंड ज्वेलरी सेक्टर पर 26% टैरिफ लगाया गया है, जिससे अमेरिकी बाजार में भारतीय आभूषणों की प्रतिस्पर्धात्मकता प्रभावित होगी। अमेरिका भारत के कट और पॉलिश्ड डायमंड निर्यात का 57% खरीदता है, जिससे इस सेक्टर पर सीधा असर पड़ेगा।

आठ प्रमुख शहरों में आवास बिक्री मार्च तिमाही में दो प्रतिशत बढ़ी: नाइट फ्रैंक

नई दिल्ली। देश के आठ प्रमुख शहरों में आवासीय बिक्री में जनवरी-मार्च तिमाही के दौरान 2% की बढ़ोतरी दर्ज की गई है। रियल एस्टेट परामर्श कंपनी नाइट फ्रैंक इंडिया की ताजा रिपोर्ट के अनुसार, इस अवधि में कुल 88,274 आवासीय इकाइयां बिकीं।

नए घरों की मांग बनी रही स्थिर

रिपोर्ट 'इंडिया रियल एस्टेट : आवास एवं कार्यालय (जनवरी-मार्च 2025)' के मुताबिक, प्राथमिक (नए घर) आवास बाजार में मांग स्थिर बनी रही। हालांकि, अन्य रियल एस्टेट कंपनियों - प्रॉपइक्विटी और एनारॉक की रिपोर्ट में इस तिमाही में आवासीय मांग में क्रमशः 23% और 28% की गिरावट बताई गई है।

ऑफिस मार्केट में 74% की सालाना वृद्धि

रिपोर्ट के अनुसार, यह लेन-देन 2024 की पहली तिमाही की तुलना में 74% अधिक और 2024 की तीसरी तिमाही में बनाए गए पिछले रिकॉर्ड से 48% ज्यादा है। यह वृद्धि भारत की मजबूत आर्थिक गति और ऑफिस ऑक्यूपायर्स (किरायेदारों) के आत्मविश्वास को दर्शाती है।

प्रीमियम सेगमेंट में रुचि बरकरार

नाइट फ्रैंक इंडिया के चेयरमैन और प्रबंध निदेशक शिशिर बैजल ने कहा कि कुछ क्षेत्रों में बढ़ती गर्मी की चिंताओं के बावजूद, रियल एस्टेट बाजार मजबूत बना हुआ है। प्रीमियम सेगमेंट की ओर रुझान दर्शाता है कि घर खरीदार बड़ी और बेहतर जीवनशैली वाली संपत्तियों की ओर आकर्षित हो रहे हैं।

135 करोड़ का आईपीओ लाएगी एडवांस एग्रोलाइफ

मुंबई। जयपुर बेस्ड एग्रोकेमिकल प्रोडक्ट मैन्युफैक्चरिंग कंपनी एडवांस एग्रोलाइफ लिमिटेड जल्द ही अपना इनिशियल पब्लिक ऑफरिंग (IPO) लेकर आएगी। कंपनी ने 31 मार्च को सिक्योरिटी एक्सचेंज बोर्ड ऑफ इंडिया यानी SEBI के पास ड्राफ्ट पेपर्स फाइल किए हैं। इस IPO का इश्यू साइज 135 करोड़ रुपए है। आईपीओ में कंपनी 10 रुपए की फेस वैल्यू पर 1.92 करोड़ नए इक्विटी शेयर जारी करेगी। एडवांस एग्रोलाइफ किसानों के लिए सॉल्यूशन प्रोडक्ट्स बनाती है जो क्रॉप की लाइफ साइकल को सपोर्ट करते हैं। कंपनी IPO से जुटाए गए पैसे का इस्तेमाल वर्किंग कैपिटल, अन्य कॉर्पोरेट यूज के लिए करेगी। इश्यू का 35% हिस्सा रिटेल इनवेस्टर्स के लिए रिजर्व कंपनी ने IPO का 50% हिस्सा क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (QIB) के लिए रिजर्व रखा है। इसके अलावा 35% हिस्सा रिटेल इनवेस्टर्स और बाकी का 15% हिस्सा नॉन-इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (NII) के लिए रिजर्व है। कंपनी के शेयर बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (BSE) और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (NSE) पर लिस्ट होंगे।

भारत की विकास दर 6.7 प्रतिशत रहने का अनुमान

नई दिल्ली। भारतीय अर्थव्यवस्था वित्त वर्ष 2025-26 में 6.7% की दर से बढ़ सकती है। गुरुवार को जारी लाइटहाउस कैंटन की रिपोर्ट के अनुसार, यह वृद्धि चक्रीय रिकवरी और बाजार के मजबूत प्रदर्शन के कारण संभव होगी। चक्रीय रिकवरी वह चरण है जब अर्थव्यवस्था धीमेपन से उबरती है और आर्थिक गतिविधियों, उपभोक्ता खर्च और बिजनेस निवेश में तेजी आती है।

मजबूत आय और सरकारी व्यय से मिलेगा समर्थन

रिपोर्ट के मुताबिक, पिछले पांच वर्षों में भारत में मजबूत आय वृद्धि दर्ज की गई है, जबकि निफ्टी इंडेक्स ने 20% की चक्रवृद्धि वार्षिक वृद्धि दर (CAGR) हासिल की है। आगे का विकास सरकारी पूंजीगत व्यय, मध्यम वर्ग को टैक्स में छूट और उपभोक्ता मांग जैसे कारकों पर निर्भर करेगा।

निजी निवेश में तेजी की उम्मीद

रिपोर्ट में बताया गया कि भारत के निवेश-आधारित विस्तार ने आर्थिक विकास में अहम भूमिका निभाई है। सरकार राजकोषीय अनुशासन पर भी ध्यान केंद्रित कर रही है, जिससे निजी क्षेत्र के निवेश को गति मिलने की संभावना है। फरवरी में भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) ने रेपो रेट में 25 आधार अंकों की कटौती की थी, जो पांच वर्षों में पहली बार हुआ।

वैश्विक बाजार और मुद्रा प्रवृत्तियों का असर

रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिकी डॉलर की मजबूती और वैश्विक व्यापार गतिविधियों का असर भारत के वित्तीय परिदृश्य पर पड़ेगा। मौजूदा वैश्विक अनिश्चितताओं के कारण सोना एक सुरक्षित निवेश विकल्प बना हुआ है, जबकि कच्चे तेल की कीमतों के स्थिर रहने की उम्मीद है, जिससे भारत की आयात-निर्भर अर्थव्यवस्था को लाभ मिलेगा।

एनपीएस के अन्य पक्षों के लिए लागू हो सकती एकीकृत पेंशन योजना

नई दिल्ली। एकीकृत पेंशन योजना यानी यूपीएस नई पेंशन प्रणाली (एनपीएस) के तहत अन्य संबंधित पक्षों के लिए भी लागू की जा सकती है। वित्तीय सेवा सचिव एम नागराजू ने गुरुवार को इस संबंध में उम्मीद जताई। यूपीएस में 12 महीनों में प्राप्त औसत मूल वेतन पर 50 प्रतिशत पेंशन की व्यवस्था की गई है। सरकार ने हाल ही में केंद्र सरकार के कर्मचारियों के लिए नई पेंशन प्रणाली के तहत यूपीएस की शुरुआत की है। यह योजना एक अप्रैल से प्रभावी है। नागराजू ने पेंशन नियामक पीएफआरडीए और भारतीय प्रबंधन संस्थान-अहमदाबाद द्वारा यहां पेंशन पर आयोजित पहले अंतरराष्ट्रीय शोध सम्मेलन में कहा कि यूपीएस एक अनूठी अंशदायी लेकिन परिभाषित लाभ योजना है जो महंगाई राहत के जरिये मुद्रास्फीति के प्रभाव के साथ सेवानिवृत्ति पर पिछले 12 महीनों के औसत मूल वेतन का 50 प्रतिशत सुनिश्चित पेंशन की सुविधा देती है।

PF से पैसे निकालने के लिए कैंसिल चेक जरूरी नहीं

नई दिल्ली। एम्प्लॉइज प्रोविडेंट फंड ऑर्गनाइजेशन (EPFO) ने PF अकाउंट की क्लेम सेटलमेंट प्रक्रिया में बदलाव किया है। कर्मचारियों को अब क्लेम सेटलमेंट के समय नाम वेरिफाई कराने के लिए कैंसिल चेक या बैंक पासबुक की इमेज अपलोड करने की जरूरत नहीं पड़ेगी। इसके साथ ही UAN में एम्प्लॉइज की बैंक सीडिंग प्रक्रिया से एम्प्लॉयर के अप्रूवल को भी हटा दिया गया है। EPFO मेंबर अब आधार ओटीपी के जरिए नया बैंक अकाउंट नंबर और IFSC कोड वेरिफाई कर सकेंगे। श्रम एवं रोजगार मंत्री मनसुख मंडाविया ने गुरुवार को X पोस्ट के जरिए नए बदलावों की जानकारी दी है। वित्त वर्ष 2024-25 में 1.3 करोड़ सदस्यों ने बैंक सीडिंग के लिए रिक्वेस्ट दी, इसमें एम्प्लॉयर की मंजूरी में औसतन 13 दिन देरी हुई।

DBD दो बजे दोपहर
पत्रकारिता पावर नहीं रिस्पांसिबिलिटी है

महिला विश्व कप क्वालीफायर के लिए अंपायर घोषित

एजेंसी | दुबई

महिला क्रिकेट विश्व कप क्वालीफायर के लिए अंपायरों और मैच अधिकारियों की घोषणा कर दी गई है। छह टीमों का यह टूर्नामेंट 9 से 19 अप्रैल के बीच पाकिस्तान में होगा। इसमें शीर्ष दो टीमें भारत में 29 सितंबर से 26 अक्टूबर तक होने वाले महिला विश्व कप में प्रवेश करेंगी। कुल 10 अंपायर और तीन मैच रेफरी इस टूर्नामेंट के लिए चुने गए हैं। मेजबान पाकिस्तान की ओर से फैजल खान अफरीदी और सलीमा इम्तियाज अंपायरिंग पैनल का हिस्सा होंगे।

इंग्लैंड की नजर विश्व कप पर: चार्लोट एडवर्ड्स

एजेंसी | लंदन

इंग्लैंड महिला क्रिकेट टीम की नवनियुक्त कोच चार्लोट एडवर्ड्स का कहना है कि उनकी टीम जल्द ही सर्वश्रेष्ठ फॉर्म में लौटने में सक्षम है और आगामी विश्व कप खिताब के लिए मजबूत चुनौती पेश कर सकती है। एडवर्ड्स ने कहा कि वह वेस्टइंडीज और भारत के खिलाफ आगामी घरेलू सीरीज के दौरान युवा खिलाड़ियों को अधिक मौके देंगी। लॉर्ड्स में बुधवार को उन्होंने कहा, 'हमारे पास कई प्रतिभाशाली युवा खिलाड़ी हैं, जिन्होंने अभी तक ज्यादा अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट नहीं खेला है। मैं चाहती हूं कि वे ज्यादा अनुभव हासिल करें।' नई कोच ने संकेत दिया कि टीम का नया कप्तान जल्द ही नियुक्त किया जाएगा। उन्होंने कहा, 'हमारे पास दुनिया के कुछ सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी हैं और मैं भविष्य को ध्यान में रखते हुए टीम का निर्माण करूंगी। किसी भी खिलाड़ी के लिए दरवाजे बंद नहीं हैं।'

निजी कारणों से आईपीएल छोड़ स्वदेश लौटे रबाडा

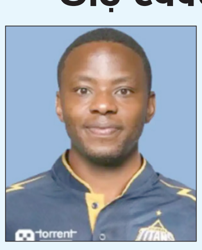

एजेंसी | नई दिल्ली

दक्षिण अफ्रीका के तेज गेंदबाज कैगिसो रबाडा निजी कारणों से आईपीएल छोड़कर स्वदेश रवाना हो गए हैं। उनकी टीम गुजरात टाइटंस ने गुरुवार को यह जानकारी दी। टाइटंस ने यह नहीं बताया कि रबाडा कब तक लौटेंगे। अभी तक उन्होंने दो ही मैच खेले हैं। गुजरात टीम ने एक बयान में कहा, कैगिसो रबाडा कुछ महत्वपूर्ण निजी मसले से निपटने के लिए दक्षिण अफ्रीका लौट गए हैं। रबाडा ने पंजाब किंग्स और मुंबई इंडियंस के खिलाफ एक-एक विकेट लिया था। उन्हें रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाफ बुधवार को बेंगलुरु में खेले गए मैच में टीम में जगह नहीं मिली थी। रबाडा की जगह अरशद खान को उतारा गया जिन्होंने विराट कोहली का कीमती विकेट लिया था।

पावर हिटर्स के सामने लखनऊ की परीक्षा

- मुंबई इंडियंस और लखनऊ सुपर जायंट्स के बीच आज होगी टक्कर
- दोनों टीमों ने अभी तक दर्ज की है सिर्फ एक जीत

एजेंसी | लखनऊ

आईपीएल में शुक्रवार को लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) अपने घरेलू मैदान पर मुंबई इंडियंस से भिड़ेगी। एक तरफ लखनऊ खराब फॉर्म से जूझ रही है, तो दूसरी ओर मुंबई की टीम भी पूरी लय में नहीं दिख रही है। हालांकि, मुंबई के स्टार बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव फॉर्म में लौट चुके हैं, और रोहित शर्मा के साथ तिलक वर्मा भी बड़ी पारी खेलने को तैयार हैं। ऐसे में पावर हिटर्स के खिलाफ लखनऊ की कड़ी परीक्षा होगी।

आमने-सामने

कुल मैच :	6
लखनऊ जीता :	5
मुंबई जीता :	1

नंबर गेम

- 2 मैच पिछले साल दोनों ने खेले थे जिसमें लखनऊ ने मुंबई को पराजित किया था
- 2 मैच इकाना स्टेडियम में दोनों ने खेले हैं और इनमें लखनऊ ने बाजी मारी है
- 4 विकेट से हराया था पिछले साल लखनऊ ने मुंबई को यहां खेले गए मुकाबले में

गेंदबाजी लखनऊ की सबसे बड़ी चुनौती

लखनऊ की सबसे बड़ी समस्या उसकी कमजोर गेंदबाजी रही है। चोटिल तेज गेंदबाजों और खराब गेंदबाजी के कारण टीम को लगातार नुकसान उठाना पड़ा है। हालांकि, टीम में आकाशदीप के शामिल होने से कुछ राहत मिली है। उन्हें आठ करोड़ में खरीदा गया था, लेकिन वह अब तक कोई मैच नहीं खेल पाए हैं। शार्दुल ठाकुर ने तीन मैचों में छह विकेट लिए हैं, लेकिन 10.22 की इकॉनमी रेट से रन लुटाए हैं। वहीं, लेग स्पिनर रवि बिश्नोई भी अभी तक प्रभाव छोड़ने में नाकाम रहे हैं।

मुंबई का बढ़ा आत्मविश्वास

मुंबई इंडियंस ने पिछले मैच में कोलकाता को हराकर अपना खाता खोला है। इस जीत से टीम का आत्मविश्वास बढ़ा है। सूर्यकुमार यादव ने रेयान रिकेल्टन के साथ मिलकर शानदार बल्लेबाजी की थी, और इस मैच में भी उनसे उम्मीदें होंगी। रोहित शर्मा तीन मैचों में सिर्फ 21 रन बना पाए हैं और फॉर्म में वापसी की कोशिश करेंगे।

बल्लेबाजी में पूरन पर निर्भरता

लखनऊ की बल्लेबाजी निकोलस पूरन के इर्द-गिर्द घूम रही है। मिचेल मार्श के अलावा कोई भी बल्लेबाज उनका साथ नहीं दे पा रहा। सबसे महंगे खिलाड़ी और कप्तान ऋषभ पंत भी बल्ले से नाकाम साबित हो रहे हैं। वह तीन मैचों में केवल 17 रन बना पाए है, जिससे टीम की चिंता बढ़ गई है। आयुष बडोनी का प्रदर्शन भी उम्मीदों के अनुरूप नहीं रहा, जबकि निचले क्रम में अब्दुल समद ने कुछ प्रभावशाली पारियां खेली हैं।

फेड कप से पहले एथलीटों का कम से कम एक प्रतियोगिता में भाग लेना अनिवार्य

एजेंसी | नई दिल्ली

भारतीय एथलेटिक्स महासंघ (एएफआई) ने 2025 सत्र की पहली राष्ट्रीय चैंपियनशिप फेडरेशन कप में भाग लेने के लिए एथलीटों के लिए कम से कम एक क्षेत्रीय प्रतियोगिता या ग्रां प्री जैसी देशव्यापी एकदिवसीय प्रतियोगिता में भाग लेना अनिवार्य कर दिया है। हालांकि महासंघ द्वारा प्रशिक्षण के लिए विदेश भेजे गए दोहरे ओलंपिक पदक विजेता भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा जैसे खिलाड़ियों को इस नियम से छूट दी जाएगी। ऐसा यह सुनिश्चित करने के लिए किया जा रहा है कि एथलीट तैयारी से आएं या उनके प्रदर्शन में निरंतरता हो। असल में कोरिया में 27 से 31 मई तक होने वाली एशियाई चैंपियनशिप के लिए भारतीय टीम का चयन फेडरेशन कप में प्रदर्शन के आधार पर किया जाएगा। इसका आयोजन 21-24 अप्रैल तक केरल के कोच्चि में किया जाएगा। हालांकि फेडरेशन कप, राष्ट्रीय अंतर-राज्यीय चैंपियनशिप और राष्ट्रीय ओपन चैंपियनशिप जैसी प्रमुख प्रतियोगिताओं के लिए प्रवेश मानक निर्धारित करना एएफआई के लिए कोई नई बात नहीं है। घरेलू कैलेंडर में महासंघ आठ इंडियन ओपन प्रतियोगिताओं का आयोजन करेगा जिससे एथलीटों को उनके मूल स्थानों के निकट अधिक अनुभव मिल सके।

चोपड़ा पर संशय

एक अधिकारी ने कहा, नीरज चोपड़ा इस साल किसी घरेलू प्रतियोगिता में भाग लेंगे या नहीं, इसकी पुष्टि अभी नहीं हुई है। अभी तुर्की में ट्रेनिंग कर रहे चोपड़ा ने आश्चर्यजनक रूप से पिछले साल भुवनेश्वर में फेडरेशन कप में भाग लिया था लेकिन अभी यह पता नहीं चला है कि वह इस साल किसी घरेलू प्रतियोगिता में हिस्सा लेंगे या नहीं। वह तब 2021 सत्र के बाद पहली बार किसी घरेलू प्रतियोगिता में भाग ले रहे थे। जनवरी में यह घोषणा की गई थी कि भारत मई में स्टार खिलाड़ियों की मौजूदगी वाली एक वैश्विक भाला फेंक प्रतियोगिता की मेजबानी करेगा जिसमें टूर्नामेंट की आयोजन टीम में चोपड़ा भी शामिल होंगे।

सुब्रमण्यन और फिफर कोचिंग में करेंगे पदार्पण

एजेंसी | अहमदाबाद

द्रोणाचार्य पुरस्कार विजेता रमन सुब्रमण्यन, जर्मन विशेषज्ञ क्रिस फिफर और अनुभवी प्रशिक्षक पावेल रेहोरेक अल्टीमेट टेबल टेनिस (यूटीटी) लीग के छठे सत्र में बतौर कोच पदार्पण करेंगे। इनके साथ जूलियन गिराई और भारत के पूर्व नंबर 1 खिलाड़ी जुबिन कुमार भी पहली बार कोच की भूमिका में नजर आएंगे। इस सीजन में वापसी करने वाले कोचों में एलेना टिमिना, पराग अग्रवाल, सुभाजीत साहा, सौम्यदीप रॉय और सचिन शेट्टी भी शामिल हैं। यह लीग 29 मई से 15 जून तक अहमदाबाद में आयोजित होगी।

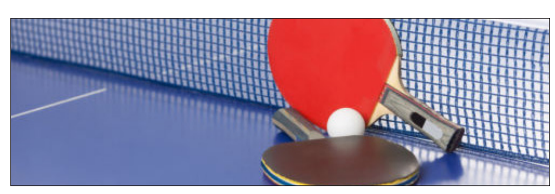

टीमों का नेतृत्व करेंगे दिग्गज कोच

2022 राष्ट्रमंडल खेलों में भारत के टेबल टेनिस दल का नेतृत्व करने वाले सुब्रमण्यन, जूलियन गिराई के साथ दूसरी बार चैंपियन बनी दबंग दिल्ली टीम का नेतृत्व करेंगे। वहीं, गत विजेता गोवा चैलेंजर्स ने अपने चौथे सीजन की विजेता कोच जोड़ी—एलेना टिमिना और पराग अग्रवाल—को फिर से शामिल किया है। गोवा की टीम लगातार तीसरे खिताब के रिकॉर्ड की तलाश में है।

सूर्यकुमार नहीं छोड़ेंगे मुंबई: एमसीए

सोशल मीडिया पर चल रही अफवाहों का खंडन

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

मुंबई क्रिकेट संघ (एमसीए) ने गुरुवार को उन खबरों को खारिज किया, जिनमें दावा किया जा रहा था कि भारतीय टी-20 कप्तान सूर्यकुमार यादव आगामी रणजी ट्रॉफी सत्र के लिए गोवा जा सकते हैं। एमसीए ने स्पष्ट किया कि सूर्यकुमार मुंबई टीम के प्रति पूरी तरह से प्रतिबद्ध हैं और हर प्रारूप में टीम का प्रतिनिधित्व करेंगे।

यशस्वी जायेंगे गोवा, लेकिन सूर्यकुमार बने रहेंगे मुंबई में

मुंबई के युवा ओपनर यशस्वी जायसवाल पहले ही रणजी टीम के कुछ सीनियर खिलाड़ियों के साथ मतभेद के चलते गोवा जाने की घोषणा कर चुके हैं। हालांकि, वह तभी गोवा से जुड़ पाएंगे जब बीसीसीआई अपनी अंतर-राज्य स्थानांतरण विंडो खोलेगा।

एमसीए ने किया स्थिति स्पष्ट

एमसीए सचिव अभय हदाप ने कहा, 'हम सोशल मीडिया पर फैली अफवाहों से अवगत हैं। संघ ने सूर्यकुमार से बात की और वे पूरी तरह से मुंबई के लिए खेलने के लिए प्रतिबद्ध हैं। ये खबरें पूरी तरह से गलत और आधारहीन हैं।' इसके अलावा, एमसीए ने यह भी साफ कर दिया कि हैदराबाद के बल्लेबाज तिलक वर्मा के गोवा में शामिल होने की खबरें भी गलत हैं।

मनीष, हितेश, अभिनाश ने दमदार प्रदर्शन से सेमीफाइनल में जगह बनाई

विश्व मुक्केबाजी कप

एजेंसी | नई दिल्ली

भारत के मनीष राठौड़, हितेश और अभिनाश जामवाल ने विश्व मुक्केबाजी कप के सेमीफाइनल में जगह बना ली है। ब्राजील में खेले जा रहे इस टूर्नामेंट में तीनों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए अपने-अपने वजन वर्ग में जीत दर्ज की। 65 किग्रा वर्ग में अभिनाश जामवाल ने जर्मनी के डेनिस ब्रिल को एकतरफा मुकाबले में हराया। वहीं, 70 किग्रा वर्ग में हितेश ने इटली के गैब्रियल गुइडी रोनतानी को सर्वसम्मत फैसले से शिकस्त दी। 55 किग्रा वर्ग में मनीष राठौड़ ने ऑस्ट्रेलिया के पेरिस ओलंपियन यूसुफ चोटिया को कड़ी टक्कर के बाद मात दी। मुकाबले में तीन जजों ने मनीष के पक्ष में फैसला सुनाया, जबकि दो जजों ने स्कोर बराबर दिया।

सेमीफाइनल में कड़ी चुनौती

अब सेमीफाइनल में मनीष का मुकाबला कजाकस्तान के नूरसुल्तान अल्तिनबेक से होगा। हितेश को माकन तराओरे की चुनौती का सामना करना पड़ेगा, जबकि अभिनाश जामवाल इटली के जियानलुइगी मलांगा से भिड़ेंगे।

पाक महिला क्रिकेट टीम आज थाईलैंड से खेलेगी

एजेंसी | लाहौर

आईसीसी महिला विश्व कप क्वालीफाइंग दौर के लिए राष्ट्रीय टीम की तैयारी के तहत पाकिस्तान की टीम शुक्रवार को एलसीसीए मैदान पर थाईलैंड से अभ्यास मैच खेलेगी। पाकिस्तान और थाईलैंड के अलावा, क्वालीफायर में भाग लेने वाले अन्य देशों में वेस्टइंडीज, बांग्लादेश, आयरलैंड और स्कॉटलैंड शामिल हैं। फाइनल 19 अप्रैल को गद्दाफी स्टेडियम में होगा। फाइनल की दोनों टीमें विश्व कप के मुख्य दौर के लिए क्वालीफाई करेंगी। इस बीच, क्वालीफाइंग इवेंट के लिए सभी छह टीमों की घोषणा कर दी गई है।

जोरा बेनेट के किरदार में नजर आएंगी स्कारलेट

यूनिवर्सल पिक्चर्स की 'जुरासिक वर्ल्ड: रीबर्थ' का पहला आधिकारिक ट्रेलर पहले ही जारी किया जा चुका है, जिसमें स्कारलेट जोहानसन, जोनाथन बेली और महेरशला अली मुख्य भूमिका में दिखाई दिए। यह फिल्म 2025 में रिलीज होगी। फिल्म की कहानी जोरा बेनेट नाम की एक गुप्त ऑपरेशन विशेषज्ञ पर है, जो डायनासोर की आनुवंशिक सामग्री को बचाने के लिए एक मिशन पर जाती है। एडवर्ड्स चाहते हैं कि फिल्म देखने वालों को सचमुच का और मजेदार अनुभव हो।

फिल्म को लेकर स्कारलेट की राय

यूनिवर्सल पिक्चर्स ने कैसर पैलेस में एक बड़ा प्रोग्राम किया, जिसमें एडवर्ड्स और महेरशला अली ने भी हिस्सा लिया। जोहानसन ने कहा कि वह 15 साल से जुरासिक फिल्म में काम करना चाहती थीं और इसके लिए किसी भी रोल के लिए तैयार थीं। एडवर्ड्स ने यह भी कहा कि इस फिल्म में काम करना उनके लिए बहुत बड़ा सम्मान है। आगे उन्होंने कहा कि बचपन में उन्हें बार-बार 'जुरासिक पार्क' देखना पड़ता था, और जब उन्हें इस फिल्म की स्क्रिप्ट मिली, तो यह उनके लिए खास था।

स्कारलेट जोहानसन का खास रोल

जोहानसन ने एडवर्ड्स की तारीफ की कि वह फिल्म को असली और रोमांचक बनाना चाहते थे, इसलिए उन्होंने दूर-दराज की जगहों पर शूटिंग की। फिल्म में जोहानसन के साथ अली, जोनाथन बेली, रूपर्ट फ्रेंड, मैनुअल गार्सिया-रुल्फो, लूना ब्लेज और डेविड इकोनो जैसे कलाकार नजर आएंगे। फिल्म की कहानी जोरा बेनेट के इर्द-गिर्द है, जिसे स्कारलेट जोहानसन ने निभाया है, जो एक गुप्त मिशन पर अपनी टीम के साथ दुनिया के तीन सबसे बड़े डायनासोर की आनुवंशिक सामग्री को बचाने की कोशिश करती है।

फिर नजर आएगी प्रधान और सचिव जी की जोड़ी

'देख रहा है बिनोद', 'पंचायत' के चाहने वालों के लिए एक बड़ी खुशखबरी सामने आई है। जी हां, अगर आप भी प्राइम वीडियो की सीरीज पंचायत के फैन हैं तो आपके लिए भी एक बड़ी खुशखबरी है। पंचायत के पहले सीजन को रिलीज हुए पांच साल हो गए हैं। अब आप सोच रहे होंगे कि इसमें क्या बड़ी बात है, जिस पर खुश हुआ जाए। तो खुशखबरी ये है कि पांच साल पूरे होने के मौके पर मेकर्स ने पंचायत के अगले सीजन की रिलीज डेट का भी एलान कर दिया है। सही सुना आपने, पंचायत का नया सीजन इसी साल आ रहा है।

मेकर्स ने इंस्टाग्राम पर साझा किया वीडियो

2020 में शुरू हुई ये पसंदीदा सीरीज आज अपने पांच साल पूरे कर चुकी है। इस खुशी में मेकर्स ने अपने प्रशंसकों को तोहफा देते हुए 'पंचायत सीजन 4' की रिलीज डेट की भी घोषणा कर दी है। मेकर्स की ओर से पांच साल पूरे होने पर एक मजेदार वीडियो इंस्टाग्राम पर साझा किया गया है। इस वीडियो में ही मेकर्स ने पंचायत के पांच साल पूरे होने और अगले सीजन की रिलीज डेट का एलान किया है। इस वीडियो में सीरीज के कुछ फेमस डायलॉग और किरदार भी नजर आ रहे हैं। इसमें सचिव जी, भूषण और बिनोद दिखाई पड़ते हैं। वीडियो में भूषण बिनोद से कहता है कि देख रहा है बिनोद पांच साल में सचिव जी कुछ करे ही नहीं। अब इन्हें वायरल करेंगे। जिसके बाद सचिव जी बाकी सबसे पूछते हैं कि तुमने पांच साल में क्या किया? फिर वो कहते हैं कि अरे हमें लगा आप लोग खुश होंगे क्योंकि हम पंचायत का नया सीजन इसी साल ला रहे हैं।

अक्षय कुमार ने किया 'केसरी चैप्टर 3' का एलान

3 अप्रैल को दिल्ली में अक्षय कुमार की बहुप्रतीक्षित फिल्म 'केसरी 2' का ट्रेलर लॉन्च हुआ। इस ट्रेलर रिलीज इवेंट और प्रेस कॉन्फ्रेंस अक्षय कुमार के अलावा आर माधवन, अनन्या पांडे और फिल्म के डायरेक्टर करण सिंह त्यागी व प्रोड्यूसर करण जौहर भी मौजूद थे। इस दौरान फिल्म के बारे में बात करते हुए अक्षय ने 'केसरी 3' का भी एलान कर दिया।

अक्षय कुमार ने घोषणा की है कि वह 'केसरी: चैप्टर 3' बनाएंगे और यह भी बताया कि यह किस पर आधारित होगी। केसरी: चैप्टर 2 के ट्रेलर रिलीज इवेंट के दौरान मीडिया से बातचीत करते हुए अभिनेता ने कहा कि फ्रेंचाइजी की अगली फिल्म हरि सिंह नलवा के जीवन पर आधारित होगी, जो सिख साम्राज्य की सेना, सिख खालसा फौज के पहले कमांडर-इन-चीफ थे।

कौन थे हरि सिंह नलवा?

हरि सिंह नलवा एक सिख कमांडर थे, जो महाराजा रणजीत सिंह की सेना में एक सम्मानित नेता थे। उन्होंने कश्मीर, हजारा और पेशावर के गवर्नर के रूप में कार्य किया और अफगानों के खिलाफ अपनी जीत के लिए लोकप्रियता प्राप्त की। वास्तव में हरि सिंह नलवा ने खैबर दर्रे के माध्यम से पंजाब में अफगानों के आक्रमण को रोकने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी, जो ऐतिहासिक रूप से विदेशी आक्रमणकारियों द्वारा भारत में प्रवेश करने के लिए इस्तेमाल किया जाने वाला प्रमुख मार्ग है।

संपत्ति का ब्योरा सार्वजनिक करेंगे सुप्रीम कोर्ट के जज

- जानकारी वेबसाइट पर होगी अपलोड
- दिल्ली हाईकोर्ट जज के घर कैश मिलने के बाद लिया गया फैसला

एजेंसी । नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने एक बड़ा फैसला लेते हुए कहा है कि शीर्ष न्यायालय के सभी 33 जज अपनी संपत्ति का ब्योरा सार्वजनिक करेंगे। न्यायपालिका में भ्रष्टाचार से जुड़ी चर्चाओं के बीच लोगों के विश्वास को बरकरार रखने के लिए यह फैसला लिया गया है।

सीजेआई भी पब्लिक करेंगे अपनी संपत्ति का ब्योरा

सुप्रीम कोर्ट की वेबसाइट के अनुसार, सर्वोच्च न्यायालय की वेबसाइट पर संपत्ति की घोषणा स्वैच्छिक आधार पर होगी। बता दें, भारत के मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना सहित तीस न्यायाधीशों ने अपनी संपत्ति की घोषणा प्रस्तुत की है।

सुप्रीम कोर्ट के जजों के पास है कितनी संपत्ति?

सर्वोच्च न्यायालय की वेबसाइट के अनुसार, सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीशों ने पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए अपनी संपत्ति की घोषणा सार्वजनिक करने पर सहमति जताई है। पूर्ण न्यायालय की बैठक में ये फैसला लिया गया है कि शीर्ष न्यायालय के न्यायाधीश अपनी संपत्ति का डेटा सुप्रीम कोर्ट की वेबसाइट पर अपलोड करेंगे। बता दें कि सुप्रीम कोर्ट में जजों की तय संख्या 34 है। अभी यहां 33 जज हैं, एक पद खाली है। इनमें से 30 जजों ने अपनी संपत्ति का घोषणा-पत्र कोर्ट में दे दिया है।

सुप्रीम कोर्ट के जजों की संपत्ति की घोषणा से जुड़े बड़े घटनाक्रम

1997 का प्रस्ताव: 1997 में, तत्कालीन CJI जे एस वर्मा ने एक प्रस्ताव पारित किया, जिसमें जजों से अपेक्षा की गई कि वे अपनी संपत्ति की घोषणा चीफ जस्टिस को करें। हालांकि यह घोषणा सार्वजनिक नहीं की जानी थी।

2009 का न्यायाधीश संपत्ति विधेयक : 2009 में, ₹न्यायाधीश संपत्ति और देनदारियों की घोषणा विधेयक₹ संसद में प्रस्तुत किया गया। इसमें सुप्रीम कोर्ट और हाईकोर्ट के जजों को अपनी संपत्ति की घोषणा करने कहा गया था। हालांकि इसमें यह प्रावधान था कि घोषणाएं सार्वजनिक नहीं की जाएंगी। इस प्रावधान के कारण विधेयक को विरोध का सामना करना पड़ा और इसे स्थगित कर दिया गया।

2009 में संपत्ति की घोषणाएं: 2009 में सूचना के अधिकार (RTI) के तहत दबाव और पारदर्शिता की बढ़ती मांग के कारण, कुछ जजों ने अपनी मर्जी से संपत्ति की जानकारी सार्वजनिक की।

दिल्ली-एनसीआर में 1 साल तक पटाखे बैन

एजेंसी । नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को दिल्ली-एनसीआर में पटाखों के निर्माण, भंडारण और बिक्री पर लगे प्रतिबंध को एक साल के लिए बढ़ा दिया। जस्टिस अभय एस. ओका और जस्टिस उज्जल भुइयां की पीठ ने कहा कि क्षेत्र में वायु प्रदूषण का स्तर लगातार खतरनाक बना हुआ है।

सभी के लिए एयर प्यूरीफायर संभव नहीं: कोर्ट

पीठ ने कहा कि प्रदूषण से सबसे ज्यादा सड़क पर काम करने वाले लोग प्रभावित हो रहे हैं। हर कोई अपने घर या दफ्तर में एयर प्यूरीफायर नहीं लगा सकता। जब तक यह साबित नहीं हो जाता कि ग्रीन पटाखे से प्रदूषण न के बराबर होता है, तब तक पुराने आदेशों पर पुनर्विचार संभव नहीं।

पटाखों के समर्थन में पेश हुई अजीबोगरीब दलील

सुनवाई के दौरान निजी तौर पर पेश हुए इंजीनियर मुकेश सिंह ने पटाखों पर प्रतिबंध को गलत बताते हुए दावा किया कि पटाखे पर्यावरण को शुद्ध करते हैं। उन्होंने इसे एक अंतरराष्ट्रीय षड्यंत्र करार दिया।

पहले भी सुप्रीम कोर्ट लगा चुका है प्रतिबंध

सुप्रीम कोर्ट ने 12 दिसंबर 2024 को भी दिल्ली-एनसीआर में पटाखों पर सालभर के लिए पूरी तरह प्रतिबंध लगाने का निर्देश दिया था। कोर्ट यह सुनवाई पर्यावरणविद एमसी मेहता की 1985 में दायर याचिका पर कर रहा है, जिसमें दिल्ली और आसपास के इलाकों में प्रदूषण रोकने के निर्देश देने की मांग की गई थी।

न्यूज़ ब्रीफ

त्रिपुरा में 34 छात्रों को कारण बताओ नोटिस

अगरतला। प्रदेश सरकार ने छात्रवृत्ति के लिए फर्जी आय प्रमाण-पत्र लगाने वाले 34 छात्रों को कारण बताओ नोटिस जारी किया है। आदिवासी कल्याण विभाग के निदेशक सुभाशीष दास ने बताया कि 35,665 एसटी छात्रों ने छात्रवृत्ति के लिए आवेदन किया था जिनमें से 34, 436 छात्रों को 68.13 करोड़ रुपये की छात्रवृत्ति प्रदान की जा चुकी है। दास के अनुसार जांच में सामने आया कि 34 एसटी छात्रों ने छात्रवृत्ति के लिए फर्जी आय प्रमाण-पत्र प्रस्तुत किए थे। उन सभी को कारण बताओ नोटिस जारी कर 16 अप्रैल तक जवाब देने के लिए कहा गया है।

मिजोरम में 59.8 लाख रुपए मूल्य के मादक पदार्थ जब्त

आइजोल। मिजोरम के लॉन्गतलाई जिले में 59.8 लाख रुपये की कीमत की मेथामफेटामाइन (मादक पदार्थ) की गोलियां जब्त कीं। पुलिस अधिकारी ने बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए मिजोरम पुलिस और असम राइफल्स की एक संयुक्त टीम ने बुआलपुई (एनजी) गांव के पास छापा मारा। इस दौरान नशीला पदार्थ मेथामफेटामाइन की 42 हजार गोलियां जब्त कीं। गोलियां पड़ोसी देश म्यांमार से तस्करी करके लाई गई थीं।

रैगिंग के मामले में तीन मेडिकल छात्र निलंबित

हैदराबाद। नागरकुर्नूल जिले के राजकीय मेडिकल कॉलेज के तीन छात्रों को जूनियर छात्र से रैगिंग व मारपीट के मामले में निलंबित कर दिया गया है। प्राचार्य द्वारा जारी बयान के अनुसार एंटी रैगिंग कमेटी की बैठक के बाद तृतीय वर्ष के एक व द्वितीय वर्ष के दो छात्रों को निलंबित करने का फैसला लिया गया। तीनों पर प्रथम वर्ष के छात्र ने रैगिंग, अपमानित करने व मारपीट के आरोप लगाए थे और पुलिस में एफआईआर दर्ज कराई थी। उसके बाद आरोपी छात्रों के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्यवाही की गई है।

ममता सरकार को बड़ा झटका

- बंगाल में 25,753 शिक्षकों की बर्खास्तगी का आदेश बरकरार
- सिलेक्शन प्रोसेस गलत : सुप्रीम कोर्ट
- व्यक्तिगत तौर पर फैसला स्वीकार नहीं : ममता बनर्जी

एजेंसी । नई दिल्ली

> हम फैसले का अध्ययन कर रहे हैं. हमें न्यायपालिका का उच्चतम सम्मान है. लेकिन एक नागरिक के रूप में मुझे यह कहने का पूरा अधिकार है कि मैं इस फैसले को स्वीकार नहीं कर सकती. बीजेपी पश्चिम बंगाल की शिक्षा प्रणाली को निशाना बनाना चाहती है. यह सब बीजेपी और CPM द्वारा किया गया है.
> **-ममता बनर्जी,** सीएम, पश्चिम बंगाल

पश्चिम बंगाल की ममता बनर्जी सरकार को शिक्षक भर्ती मामले में सुप्रीम कोर्ट से बड़ा झटका लगा है। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को पश्चिम बंगाल के राज्य संचालित और राज्य सहायता प्राप्त स्कूलों में नियुक्त किए गए 25,753 शिक्षकों और अन्य कर्मचारियों की नियुक्ति को रद्द कर दिया। अदालत ने चयन प्रक्रिया को ₹दूषित और पक्षपातपूर्ण₹ करार दिया।

मानवीय आधार पर दिव्यांग को दी राहत

चीफ जस्टिस संजीव खन्ना की अगुवाई वाली बेंच ने 22 अप्रैल 2024 के कलकत्ता हाई कोर्ट के फैसले को बरकरार रखते हुए इन नियुक्तियों को अमान्य घोषित किया। गुरुवार को चीफ जस्टिस ने कहा कि जिन कर्मचारियों की नियुक्तियां रद्द कर दी गई हैं, उन्हें अपने वेतन और अन्य भत्तों को लौटाने की आवश्यकता नहीं होगी। सुप्रीम कोर्ट ने अपने फैसले में राज्य सरकार को एक नई चयन प्रक्रिया शुरू करने और इसे तीन महीने के भीतर पूरा करने का आदेश दिया। अदालत ने दिव्यांग कर्मचारियों के लिए मानवीय आधार पर राहत प्रदान की और उन्हें अपने पदों पर बने रहने की अनुमति दी है।

सीबीआई जांच पर फैसला सुरक्षित

इसके अलावा, सुप्रीम कोर्ट ने पश्चिम बंगाल सरकार की उस याचिका पर सुनवाई के लिए 4 अप्रैल की तारीख तय की है, जिसमें हाई कोर्ट द्वारा इस मामले की सीबीआई जांच के आदेश को चुनौती दी गई है। गौरतलब है कि सुप्रीम कोर्ट ने 10 फरवरी को इस मामले में दायर याचिकाओं पर अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था।कलकत्ता हाईकोर्ट के 22 अप्रैल 2024 के फैसले को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर अपना निर्णय सुरक्षित रख लिया था और अब फैसला दिया है।

शिक्षक भर्ती घोटाले में 124 याचिकाएं थी दायर

हाई कोर्ट ने अपने इस फैसले में पश्चिम बंगाल सरकार द्वारा संचालित और सहायता प्राप्त स्कूलों में 25,753 शिक्षकों और अन्य कर्मचारियों की नियुक्तियों को अवैध करार दिया गया था। इस मामले में 124 याचिकाएं दाखिल की गई थीं, जिनमें एक पश्चिम बंगाल सरकार द्वारा भी दायर की गई थी। कलकत्ता हाईकोर्ट ने ओएमआर शीट में छेड़छाड़ और मेरिट लिस्ट में हेराफेरी (रैंक-जंपिंग) जैसी अनियमितताओं के आधार पर 25,753 शिक्षकों और गैर-शिक्षकीय कर्मचारियों की नियुक्तियों को रद्द कर दिया था। हाईकोर्ट के आदेश के बाद, 7 मई 2023 को सुप्रीम कोर्ट ने नियुक्तियों को रद्द करने के आदेश पर रोक लगा दी थी, लेकिन मामले की CBI जांच जारी रखने की अनुमति दी थी।

मानहानि मामले में आतिशी और संजय सिंह को राहत

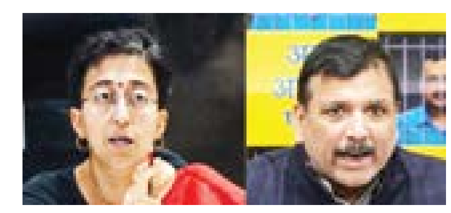

- अदालत ने दीक्षित की याचिका पर संज्ञान लेने से इनकार किया

नई दिल्ली। राउज एवेन्यू अदालत से दिल्ली की पूर्व मुख्यमंत्री आतिशी और आप नेता संजय सिंह को बड़ी राहत मिली है। अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट पारस दलाल की अदालत ने गुरुवार को कांग्रेस नेता संदीप दीक्षित की ओर से आतिशी और संजय सिंह के खिलाफ दायर आपराधिक मानहानि की शिकायत को खारिज कर दिया है।

अदालत ने दीक्षित की शिकायत पर संज्ञान लेने से इनकार करते हुए कहा कि शिकायतकर्ता को बदनाम करने के लिए उन्हें कोई आरोप नहीं दिखता है। अदालत ने दोनों पक्षों की ओर से समन-पूर्व चरण में दलीलें सुनने के बाद आदेश सुरक्षित रख लिया था। संदीप दीक्षित ने अपनी शिकायत में कहा था कि आप के दोनों नेताओं ने जानबूझकर उनकी साख को नुकसान पहुंचाया। 26 दिसंबर को प्रेसवार्ता के दौरान आतिशी और संजय सिंह ने आरोप लगाया था कि दीक्षित ने न केवल भाजपा से करोड़ों रुपये लिए, बल्कि कांग्रेस ने विधानसभा चुनाव में आप को हराने के लिए भाजपा के साथ मिलीभगत भी की।

वक्फ बिल पर जेडीयू में बगावत!

कासिम अंसारी ने पार्टी छोड़ी, नीतीश को इस्तीफा भेजा

एजेंसी । नई दिल्ली

वक्फ संशोधन बिल 2024 लोकसभा में पारित हो गया है। इस बिल का कई मुस्लिम संगठनों ने विरोध किया, लेकिन एनडीए की सहयोगी जेडीयू ने इसका समर्थन किया। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के इस फैसले से पार्टी के मुस्लिम नेताओं में नाराजगी बढ़ गई है। जेडीयू के वरिष्ठ नेता डॉ. मोहम्मद कासिम अंसारी ने पार्टी की प्राथमिक सदस्यता और सभी पदों से इस्तीफा दे दिया।

'बिल से गहरा आघात पहुंचा'

कासिम अंसारी ने नीतीश कुमार को लिखे पत्र में जेडीयू के स्टैंड की आलोचना करते हुए कहा कि इस फैसले से लाखों भारतीय मुसलमानों को गहरा आघात पहुंचा है। उन्होंने लोकसभा में पार्टी नेता ललन सिंह के रुख को भी निराशाजनक बताया।

40 साल बाद एस्ट्रोनॉट स्पेस में जाएगा कोई भारतीय

मई में इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन जाएंगे शुभांशु शुक्ला, 14 दिन तक रहेंगे

- इससे पहले राकेश शर्मा ने 1984 में सोवियत यूनियन के स्पेसक्राफ्ट से की थी अंतरिक्ष यात्रा

नई दिल्ली। इंडियन एस्ट्रोनॉट शुभांशु शुक्ला एक्सिओम मिशन 4 के तहत मई में इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन जा सकते हैं। इस मिशन में चार देशों के चार एस्ट्रोनॉट 14 दिन के लिए स्पेस स्टेशन जाने वाले हैं। अमेरिका की स्पेस एजेंसी नासा ने एक अपडेट में इसकी जानकारी दी। नासा और इसरो के बीच हुए एग्रीमेंट के तहत ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला को इस मिशन के लिए चुना गया है। अभी वह इंडियन एयरफोर्स में ऑफिसर है। शुभांशु इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन पर जाने वाले पहले और स्पेस में जाने वाले दूसरे भारतीय होंगे। इससे पहले राकेश शर्मा ने 1984 में सोवियत यूनियन के स्पेसक्राफ्ट से अंतरिक्ष यात्रा की थी।

ड्रैगन कैप्सूल में चारों एस्ट्रोनॉट उड़ान भरेंगे

इलॉन मस्क की कंपनी स्पेसएक्स के ड्रैगन कैप्सूल में ये एस्ट्रोनॉट उड़ान भरेंगे। इस मिशन को फाल्कन-9 रॉकेट से फ्लोरिडा में नासा के कैनेडी स्पेस सेंटर से लॉन्च किया जाएगा। लॉन्च की तारीख फाइनल अप्रूवल और मिशन की तैयारियों के अनुसार घोषित होगी।

चार देशों के चार एस्ट्रोनॉट स्पेस स्टेशन जाएंगे

एक्सिओम 4 मिशन के चालक दल में भारत, पोलैंड और हंगरी के मेंबर शामिल हैं। शुभांशु शुक्ला 1984 के बाद से अंतरिक्ष में जाने वाले भारत के दूसरे एस्ट्रोनॉट होंगे। स्लावोज़ उज़्नान्स्की 1978 के बाद स्पेस में जाने वाले पोलैंड के दूसरे एस्ट्रोनॉट होंगे।टिबोर कापू 1980 के बाद स्पेस में जाने वाले हंगरी के दूसरे एस्ट्रोनॉट होंगे। अमेरिकी की पैगी व्हिटसन का यह दूसरा कॉमर्शियल ह्यूमन स्पेस फ्लाइट मिशन है। शुभांशु

भारत विस्तारवाद में नहीं विकास में विश्वास करता है : मोदी

02 दिवसीय थाईलैंड यात्रा पर पहुंचे हैं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी

- भारत - थाईलैंड संबंधों को रणनीतिक साझेदारी तक पहुंचाएंगे

बिमस्टेक

बैंकॉक। भारत- थाईलैंड ने हिंद-प्रशांत क्षेत्र में स्वतंत्र, समावेशी और नियम-आधारित व्यवस्था का समर्थन किया है। बिमस्टेक सम्मेलन में भाग लेने के लिए गुरुवार को बैंकॉक पहुंचने के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र ने मोदी ने थाईलैंड की प्रधानमंत्री पैतोंगतार्न शिनावात्रा से बैठक के बाद संयुक्त बयान में ये बात कही। उन्होंने कहा कि भारत विस्तारवाद में नहीं विकास की नीति में विश्वास करता है। प्रधामंत्री मोदी ने बताया कि भारत के उत्तरपूर्वी राज्यों और थाईलैंड के बीच पर्यटन, संस्कृति और शिक्षा के क्षेत्र में साझेदारी बढ़ाने पर जोर दिया है। दोनों देशों के बीच व्यापारिक गतिविधियों और निवेश को बढ़ावा देने पर बात हुई है। इसके अलावा सूक्ष्म लघु उद्योगों, हैंडलूम और हैंडीक्राफ्ट के क्षेत्र में भी आपसी सहयोग बढ़ाने पर सहमति बनी है। दो दिवसीय यात्रा पर बैंकॉक पहुंचे प्रधानमंत्री मोदी को बैंकॉक के गवर्मेंट हाउस में गार्ड ऑफ ऑनर देकर भव्य स्वागत किया गया। इस दौरान प्रधानमंत्री ने रामकियेन- थाई रामायण की मनमोहक प्रस्तुति भी देखी।

संबंध रणनीतिक साझेदारी तक पहुंचाएंगे

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि थाईलैंड भारत की 'एक्ट ईस्ट' नीति और हिंद-प्रशांत दृष्टिकोण में विशेष स्थान रखता है। दोनों देशों के बीच आपसी संबंधों को रणनीतिक साझेदारी तक बढ़ाने पर फैसला हुआ है। इसके अलावा दोनों देश में सुरक्षा एजेंसियों के बीच रणनीतिक विचार-विमर्श पर भी चर्चा हुई है।

पीएम मोदी को त्रिपिटक भेंट

प्रधानमंत्री मोदी के दौरे के दौरान थाईलैंड सरकार ने 18वीं सदी के रामायण के भित्ती चित्र के आधार पर एक डाक टिकट जारी किया। प्रधानमंत्री ने एक्स पर बताया कि थाईलैंड की प्रधानमंत्री ने उनको बौद्ध धर्म का महत्वपूर्ण ग्रंथ त्रिपिटक भी भेंट किया जिसे मैंने हाथ जोड़कर स्वीकार किया है।

'हमारे संबंध शताब्दियों पुराने हैं'

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि भारत और थाईलैंड के संबंध शताब्दियों पुराने हैं। बौद्ध धर्म के प्रचार- प्रसार ने हर स्तर पर लोगों को एक सूत्र में पिरोने का काम किया है। भारत- थाईलैंड पुराने संबंधों को आगे बढ़ाते हुए आधुनिक समय में रिश्तों की डोर को नई मजबूती देने पर काम करेंगे।

भूकंप पीड़ितों के लिए प्रार्थना

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भूकंप पीड़ितों को याद करते हुए कहा कि जो लोग इस आपदा में मारे गए उनके परिवारों के प्रति मेरी गहरी संवेदना है। उन्होंने कहा कि जो लोग इस आपदा में घायल हुए हैं वो जल्द से जल्द ठीक हों, ईश्वर से यही प्रार्थना है।

सिद्धरमैया का आवास घेरने जा रहे भाजपाई हिरासत में

- मुस्लिम आरक्षण और महंगाई के खिलाफ प्रदर्शन

एजेंसी । बेंगलुरु

कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरमैया के आवास का घेराव करने जा रहे पूर्व मुख्यमंत्री बी.एस. येदियुरप्पा समेत भाजपा के कई वरिष्ठ नेताओं को गुरुवार को पुलिस ने एहतियातन हिरासत में ले लिया।

विधानसभा में विपक्ष के नेता भी हिरासत में

गिरफ्तार नेताओं में भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बी.वाई. विजयेंद्र और कर्नाटक विधानसभा में विपक्ष के नेता आर. अशोक भी शामिल हैं। भाजपा ने बुधवार को बेंगलुरु के फ्रीडम पार्क में 24 घंटे का धरना शुरू किया था और गुरुवार को मुख्यमंत्री आवास की ओर मार्च निकाला।

मुख्य मुद्दे: आरक्षण और महंगाई

भाजपा नेताओं ने कहा कि यह प्रदर्शन महंगाई, सरकारी ठेकों में मुस्लिम समुदाय को दिए गए 4% आरक्षण और अनुसूचित जाति-जनजाति उपयोजना के लिए निर्धारित धन में हेरफेर के खिलाफ किया गया।

प्रदेशभर में विरोध, 7 अप्रैल से जन आक्रोश यात्रा

भाजपा ने कर्नाटक के अन्य हिस्सों में भी प्रदर्शन किया। पार्टी 7 अप्रैल से मैसूर से 'जन आक्रोश यात्रा' शुरू करने की योजना बना रही है, जिसके तहत प्रदेशभर में सरकार की नीतियों के खिलाफ प्रदर्शन किया जाएगा।